राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण शनिवार,६मार्च २०२१ वर्ष-४, अंक -४२ पृष्ठ-०८ मूल्य-०१रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

तो नंदीग्राम में रहकर ही बीजेपी के चक्रव्यूह को तोड़ेंगी ममता?

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में नंदीग्राम सीट का महासंग्राम अब मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के लिए प्रतिष्ठा की लड़ाई बन चुकी है। नंदीग्राम में एक ऐसे घर की तलाश की जा रही है, जहां पर रह कर ममता बनर्जी अपनी और पार्टी की जीत की पटकथा लिखने की कोशिश करेंगी। पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के लिए पूर्वी मिदनापुर जिले के नंदीग्राम में एक घर की तलाश कर रही है, जहां से पार्टी सुप्रीमो आगामी विधानसभा चुनाव लड़ रही हैं। पूर्वी मिदनापुर के एक टीएमसी नेता शेख सुफियान ने कहा कि हमारी पार्टी के नेताओं ने नंदीग्राम में कई घरों की जांच की है, जहां ममता बनर्जी अगले एक महीने तक रहेंगी और चुनाव लड़ेंगी। हमने पहले ही कुछ मकान किराए पर ले लिए हैं, जहां कोलकाता से आने वाले टीएमसी नेता रह सकते हैं। गौरतलब है कि ममता बनर्जी पहले ही ऐलान कर चुकी हैं कि वह नंदीग्राम से भी चुनाव लड़ेंगी, जहां से माना जा रहा है कि भाजपा शुभेंदु अधिकारी को उतार सकती है। पश्चिम बंगाल में चुनाव की तारीखों का ऐलान हो

टीएमसी ढूंढ रही महीने भर के लिए आशियाना

चुका है और यहां आठ चरणों में विधानसभा चुनाव होंगे। वोटिंग 27 मार्च से शुरू होगी और 2 मई को नतीजे आएंगे। नंदीग्राम सीट पर 1 अप्रैल को दूसरे फेज में वोटिंग होगी। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में नंदीग्राम इस बार हॉट सीट बना हुआ है। वजह कि यहां से न सिर्फ ममता बनर्जी चुनाव लड़ रही हैं, बल्कि कभी उनके ही सिपहसालार रहे टीएमसी के पूर्व और भाजपा के मौजूदा नेता शुभेंदु अधिकारी दमखम दिखा सकते हैं। हालांकि, शुभेंदु अधिकारी के नाम पर अब तक भाजपा ने मुहर नहीं लगाई है। लेकिन शुभेंदु पहले ही ऐलान कर चुके हैं कि वह अगर नंदीग्राम से नहीं भी उतरते हैं तब भी वह ममता बनर्जी की हार सुनिश्चित करेंगे। नंदीग्राम टीएमसी के लिए प्रतिष्ठा वाली सीट है। इसकी वजह यह है कि पूर्वी मिदनापुर की इस सीट पर ही 2006-08 के दौरान ममता बनर्जी ने भूमि अधिग्रहण के खिलाफ आंदोलन चलाया था। इस मूवमेंट के जरिए ममता बनर्जी को बंगाल में अपनी जमीन मजबूत करने में मदद मिली थी और इसमें शुभेंदु अधिकारी की बड़ी भूमिका थी। ऐसे में यह सीट ममता बनर्जी के लिए काफी अहम है। अगर इस सीट पर सुवेंदु अधिकारी लड़ते हैं तो मुकाबला रोचक होगा। हालांकि, शुक्रवार को भाजपा के केंद्रीय कमेटी की बैठक हुई, जिसमें शुभेंदु अधिकारी को नंदीग्राम से लड़ाने के मसले पर भी विचार-विमर्श किया गया। हालांकि, अब तक इस पर फैसला नहीं हो पाया है। कुछ दिन पहले जब राज्य मंत्री और वरिष्ठ टीएमसी नेता फ़रहाद हकीम नंदीग्राम गए, तो उन्होंने कई घरों में एक घर की जांच की थी। यह घर टीएमसी नेता सूफियान के घर के करीब है और टीएमसी नेताओं ने कहा कि यह ममता के लिए अधिक उपयुक्त होगा। ममता बनर्जी के लिए अब तक जो घर देखा गया है और जिसे फाइनल करने की सोच रहे हैं, वह दो मंजिला घर है और एक गली में स्थित है। घर के पीछे में एक छोटे सा फल का बाग है और चारों ओर हरियाली है। उसके पीछे धान के खेत हैं। हालांकी, नंदीग्राम में ममता बनर्जी के लिए घर खोजने की बात पर भाजपा ने चुटकी ली है और कहा कि टीएमसी चाहे जो भी करे, इस बार वे हारने वाले हैं। राज्य भाजपा की महिला मोर्चा की अध्यक्ष अग्निमित्रा पॉल ने कहा कि टीएमसी चाहे तो दो घरों या ममता बनर्जी के लिए चार घरों की तलाश कर ले, मगर वह इस बार हार जाएंगी। शुभेंदु अधिकारी ने पहले ही ममता बनर्जी को कम से कम 50,000 वोटों से हराने की चुनौती दी है।

ब्राजील और इंडोनेशिया में सबसे तेजी से हो रही है जंगलों की कटाई

नई दिल्ली। वर्ल्ड वाइल्ड लाइफ डे के मौके पर तीन मार्च को संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने जंगलों को बचाने का संदेश दिया क्योंकि ये जंगल ही 80 फीसद जानवरों का घर हैं। ग्लोबल फॉरेस्ट वॉच के एक अनुमान के मुताबिक, 2019 में 5.4 मिलियन हेक्टेयर जंगल कम हो गए। नई शताब्दी में हर साल दुनिया में 5 मिलियन हेक्टेयर जंगल कट जा रहे हैं। अगर हमें जंगलों की कटाई रोकनी है तो हमें यह जानना होगा कि कहां कितने जंगल कट रहे हैं और क्यों कट रहे हैं? द ग्लोबल एनवायरमेंट चेंज में शोधकर्ता फ्लोरेंस पेंड्रिल और उनके सहयोगियों के एक शोध में इन्हीं दो सवालों पर फोकस किया गया है। यह शोध 2005 से 2013 के बीच के आंकड़ों पर आधारित है। पर ग्लोबल फॉरेस्ट वॉच के आंकड़ों से आज भी यही परिणाम मिल रहा है। नए आंकड़े सैटेलाइट डाटा पर आधारित हैं। हर साल जितने जंगल कटते हैं, उनमें से ज्यादातर (95 फीसद) कटिबंधों वाले जंगल हैं। वहीं, इनमें से आधे जंगल ब्राजील और इंडोनेशिया में साफ हो रहे हैं। ब्राजील में हर साल 1.7 मिलियन हेक्टेयर वनों की कटाई होती है। पेड़ों की कटाई में इंडोनेशिया की हिस्सेदारी 14 फीसद है। यानी हर साल इंडोनेशिया और ब्राजील में ही 47 फीसद वनोन्मूलन हो रहा है। 2019 में यह आंकड़ा 52 फीसद के करीब पहुंच गया है। अफ्रीका महाद्वीप को देखें तो कृषि भूमि के विस्तार के चलते वनोन्मूलन में इसकी हिस्सेदारी 17.5 फीसद है। वहीं भारत में हर साल 1.41 फीसद (73,018 हेक्टेयर) जंगल साफ हो जाते हैं। आवर वर्ल्ड इन डाटा में प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक, हर साल जंगलों की एक-तिहाई कटाई कृषि के चलते होती है। दुनिया की बढ़ती आबादी के लिए अधिक खाद्यान की जरूरत के चलते ये जंगल कटकर खेतों में तब्दील हो जा रहे हैं। पर जंगल कटने का सबसे बड़ा कारण बीफ का उत्पादन है। 41 फीसद जंगल इसी के चलते कटते हैं।

दिल्ली हाईकोर्ट का यूपी पुलिस को निर्देश

ट्रैक्टर रैली के दौरान मरे किसान की पोस्टमोर्टम रिपोर्ट कराएं जमा

नई दिल्ली। 26 जनवरी को किसानों द्वारा निकाली गई ट्रैक्टर रैली में 25 साल के एक किसान की मौत हो गई थी। दिल्ली पुलिस का कहना था कि बैरिकेड तोड़कर आने से ट्रैक्टर पलट गया। जिसके वजह से किसान की मौत हुई, वहीं परिवार का दावा है कि मौत गोली लगने से हुई थी। इस मामले पर दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई चल रही थी जिस दौरान हाईकोर्ट ने यूपी पुलिस को जारी किए निर्देश में किसान की मूल पोस्टमार्टम रिपोर्ट देने को कहा है। न्यायमूर्ति योगेश खन्ना की एकल न्यायाधीश पीठ ने उत्तर प्रदेश पुलिस को 5 मार्च को दिल्ली पुलिस को दोनों मूल दस्तावेज उपलब्ध कराने के लिए कहा और कहा कि दस्तावेज को सुरक्षित हिरासत में रखा जाए। इस मामले की सुनवाई अब 17 मार्च को होगी। अदालत 26 जनवरी को दिल्ली में हुई ट्रैक्टर रैली के दौरान शहीद हुए किसान नवप्रीत सिंह की मौत के मामले पर सुनवाई कर रही थी। परिवार ने किसान की मौत की जांच को लेकर दिल्ली उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया और मौत पर कई सवाल उठाए, साथ ही मृतक का पोस्टमार्टम वीडियो और एक्स-रे रिपोर्ट मांगी।

परिवार की दलील-परिवार की दलीलों में आरोप लगाया गया कि मौत का कारण गोली लगना था, लेकिन दिल्ली पुलिस के अनुसार, दिल्ली में आईटीओ के पास एक बैरिकेड में सवार होने के बाद ट्रैक्टर पलटने से हुए हादसे में नवप्रीत सिंह की मौत हो गई। याचिकाकर्ता के वकील वृंदा ग्रोवर ने कहा कि विभिन्न चिकित्सा / फोरेंसिक विशेषज्ञों ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट में चोटों के विवरण की समीक्षा की है, उन्होंने स्वतंत्र रूप से विभिन्न मीडिया हाउसों द्वारा रिपोर्ट किए गए बयान दिए हैं, जिसमें कहा गया है कि चोटें/ बंदूक की गोली के घावों के अनुरूप हैं और यह कहा गया है ट्रैक्टर पलटने से चोटें नहीं लग सकती थीं, जैसा दिल्ली पुलिस द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों, पुलिस आयुक्त और पुलिस उपायुक्तों द्वारा बार-बार घोषित किया गया है।

लड़की ने दलित संग भागकर की शादी

HC ने दी सुरक्षा फिर भी पिता ने बेटी को उतारा मौत के घाट

जयपुर। राजस्थान में 18 साल की एक लड़की का दलित लड़के के साथ प्यार करना उसके लिए काल बन गया। राजस्थान के दौसा में एक पिता ने अपनी बेटी की हत्या कर दी। लड़की एक दलित लड़के से प्यार करती थी और कुछ दिनों पहले ही उन दोनों की शादी हुई थी। यहां सबसे हैरानी की बात यह है कि लड़की को राजस्थान हाईकोर्ट की ओर से सुरक्षा मिली हुई थी, तब भी उसकी जान नहीं बची। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, जिस लड़की की हत्या की गई है, उसका नाम पिंकी सैनी है और वह 24 साल के रोशन महावार से प्यार करती थी। 16 फरवरी को उन दोनों की शादी हुई थी और 21 फरवरी को पिंकी रोशन के साथ घर से भाग गई थी। 26 फरवरी को वे दोनों राजस्थान हाईकोर्ट के समक्ष पेश हुए थे और सुरक्षा की गुहार लगाई थी, जिसके बाद कोर्ट ने उन्हें सुरक्षा प्रदान की थी। वहीं, समाचार एजेंसी

एएनआई के मुताबिक, एसपी अनिल बेनीवाल ने कहा, 'लड़की की शादी 16 फरवरी को हुई थी मगर घर लौटने के बाद वह अपने प्रेमी के साथ भाग गई। बाद में उसके पिता ने आरोप लगाया कि उसका अपहरण कर लिया गया था। आज लड़की के पितान ने आत्मसमर्पण कर दिया और कहा कि उसने अपनी बेटी को मार डाला।' पुलिस अधिकारी ने कहा कि मृतक लड़की और उसके प्रेमी ने पहले अपनी सुरक्षा को लेकर हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की थी। इसके बाद अदालत ने इस कपल को सुरक्षा प्रदान करने के निर्देश दिए थे। जैसे ही यह कपल जयपुर से दौसा लौटा, पीड़िता के परिजन उसे जबरन अपने घर ले गए।

उसके बाद मतृक लड़की के प्रेमी ने अपहरण का मामला दर्ज किया। पुलिस अधिकारी ने कहा कि लड़की के पिता ने अपनी बेटी की हत्या के लिए आत्मसमर्पण किया है और आगे की जांच चल रही है।

रिलायंस ने अपने कर्मचारियों से की कोरोना टीका लगवाने की अपील, कंपनी उठाएगी खर्चा

मुंबई। रिलायंस फाउंडेशन की चेयरपर्सन और संस्थापक नीता अंबानी की ओर से रिलायंस कंपनी के सभी कर्मचारियों को एक ई-मेल भेजकर कोरोना टीकाकरण के लिए रजिस्ट्रेशन करवाने को कहा गया है। सभी कर्मियों और उनके परिवार के टीकाकरण का खर्चा कंपनी देगी।

कंपनी ने कहा है कि कर्मचारियों के पति/पत्नी, माता-पिता और बच्चों के टीकाकरण का खर्च भी वही उठाएगी। कर्मचारियों को भेजे गए मेल में लिखा है, 'आपके सहयोग से हम महामारी को पीछे छोड़ देंगे। तबतक लापरवाही न बरतें।

अत्यंत सुरक्षा और स्वच्छता संबंधी सावधानी बरतते रहें। हम इस सामूहिक लड़ाई के अंतिम पड़ाव में हैं। हमें साथ में जीतना चाहिए और हम जीतेंगे।'

इससे पहले साल 2020 के रिलायंस फैमिली डे पर चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर मुकेश अंबानी और नीता अंबानी ने यह आश्वासन दिया था कि जैसे ही भारत में वैक्सीन को मंजूरी मिलेगी, रिलायंस अपने सभी कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों को टीका लगवाएगा।

बता दें कि 16 जनवरी से भारत में शुरू हुए कोरोना टीकाकरण का दूसरा चरण शुरू हो गया है।

मेल के आखिर में लिखा है, 'कोरोना हारेगा, इंडिया जीतेगा।'

कोविड ने फिर मचाया कोहराम? नए कोरोना मामलों में 17वें से 5वें नंबर पर पहुंचा भारत, डरा रहे हैं ये आकड़े

नई दिल्ली। देश में कोरोना के नए मरीजों की संख्या में तेज बढ़ोतरी ने चिंता बढ़ा दी है। करीब दो महीने के अंदर प्रतिदिन मिलने वाले नए मरीजों की संख्या इस कदर बढ़ी कि भारत 17वें स्थान से उछलकर पांचवें स्थान पर पहुंच गया। रोजाना सर्वाधिक मरीज दर्ज करने के लिहाज से केवल चार देश-अमेरिका, ब्राजील, इटली और फ्रांस ही भारत से आगे हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक गुरुवार सुबह आठ बजे तक 24 घंटों में कुल 17,407 नए मामले मिले जो पिछले करीब एक महीने में सर्वाधिक संख्या है। इससे पहले 29 जनवरी को 24 घंटे में वायरस के 18,855 नए मामले सामने आए थे। इस अवधि में देश में संक्रमितों

की संख्या बढ़कर 1,11,56,923 हो गई, जबकि 89 और कोरोना मरीजों की मौत से महामारी से जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर 1,57,435 हो गई।

ब्राजील में अमेरिका से अधिक नए मरीज-खास बात यह कि दो-तीन दिन से ब्राजील में नए मरीजों के मामले अमेरिका से भी अधिक आ रहे हैं। वर्ल्डोमीटर के मुताबि बुधवार को ब्राजील में दुनियाभर में सर्वाधिक 74,376 नए मरीज मिले, जबकि अमेरिका में यह संख्या 66,879 रही।

नए मरीजों वाले शीर्ष पांच देश (पांच दिन के औसत के आधार पर)

देश	नए मरीज
अमेरिका	59515
ब्राजील	52885
फ्रांस	19659
इटली	17437
भारत	15435

स्रोत-वर्ल्डोमीटर

69 फीसदी से अधिक सक्रिय मरीज केवल पांच देशों में

दुनियाभर में कोरोना मरीजों का आंकड़ा 11.57 करोड़ से ज्यादा हो गया। इसमें से 9 करोड़ 14 लाख से ज्यादा लोग ठीक हो चुके हैं, तो 25.7 लाख से ज्यादा लोगों को जान गंवानी पड़ी। दुनियाभर में कुल सक्रिय मरीजों की संख्या करीब 2.18 करोड़ है।

देश कुल सक्रिय मरीज (दुनियाभर के कुल मरीजों के प्रतिशत के रूप में)

अमेरिका	40.8
फ्रांस	15.5
ब्रिटेन	04.5
ब्राजील	3.6
बेल्जियम	3.2
भारत	0.7

हाईकोर्ट के आदेश से बिहार में अब 37 हजार शिक्षकों की नियुक्ति का रास्ता साफ, जल्द ही बनेगा नियोजन शिड्यूल

पटना। पटना हाईकोर्ट ने बिहार बोर्ड को एसटीईटी का परिणाम घोषित करने आदेश दिया है। इससे सूबे में माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षकों की नियुक्ति का रास्ता साफ हो गया है। परिणाम घोषित होने के बाद राज्य सरकार नियोजन का शिड्यूल बनाएगी। उसके बाद जिलावार नियोजन प्रक्रिया शुरू होगी। नियोजन इकाइयां रोस्टर और मेधा के अनुसार रिक्त सीटों पर मेरिट सूची बनाएगी। प्रदेश के माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विद्यालयों में 37 हजार 335 शिक्षकों की नियुक्ति होनी है। गुरुवार को हाईकोर्ट ने सुनवाई करते हुए बोर्ड की ऑनलाइन परीक्षा को सही करार दिया। साथ ही ऑनलाइन एसटीईटी के परिणाम घोषित करने को हरी झंडी दे दी। हालांकि कोर्ट ने राज्य सरकार और बिहार विद्यालय परीक्षा समिति को भविष्य में एसटीईटी के लिए सिलेबस बनाने का निर्देश दिया है।

न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की एकलपीठ ने आदित्य प्रकाश एवं अन्य की ओर से दायर अर्जी पर सुनवाई के बाद यह आदेश दिया। कोर्ट को बताया गया कि बगैर माध्यमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा का सिलेबस जारी किये ऑनलाइन परीक्षा ली गई। जबकि ऑनलाइन परीक्षा के लिए बोर्ड ने राज्य सरकार को सूचित कर मंजूरी ली थी। उन्होंने ऑनलाइन परीक्षा सहित ऑनलाइन की सारी प्रक्रिया को निरस्त करने की मांग कोर्ट से की।

वहीं, राज्य सरकार तथा बोर्ड की ओर से महाधिवक्ता ललित किशोर तथा ज्ञान शंकर ने कोर्ट को बताया कि कोरोना संक्रमण को देखते हुए एसटीईटी माध्यमिक शिक्षक पात्रता

परीक्षा ऑनलाइन लेने का निर्णय लिया गया था। बताया कि कोरोना काल में ऑनलाइन परीक्षा सबसे सुरक्षित है। इस पर सवाल खड़ा करना सही नहीं है। कोर्ट ने बोर्ड की दलील को मंजूर करते हुए ली गई ऑनलाइन परीक्षा को सही निर्णय करार देते हुए अर्जी को निष्पादित कर दिया और कहा कि भविष्य में होने वाले एसटीईटी के लिए सिलेबस बनाया जाए।

डेढ़ साल तक मामला रहा लंबित-माध्यमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा 2019 का नोटिफिकेशन सितंबर 2019 में जारी हुआ था। इसकी ऑफलाइन परीक्षा 28 जनवरी 2020 को हुई थी। इस परीक्षा में चार केंद्रों पर आउट ऑफ सिलेबस प्रश्न पूछे जाने पर हंगामा हुआ था। हंगामा करने वाले छात्रों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर दी थी। इसी बीच अनियमिता पाए जाने पर परीक्षा रद्द कर दी गई। तब बिहार बोर्ड ने सितंबर 2020 में ऑनलाइन परीक्षा ली। इसमें आउट ऑफ सिलेबस का आरोप लगाते हुए कुछ छात्रों ने याचिका दायर कर दी थी। तब हाईकोर्ट ने 26 नवंबर 2020 को रिजल्ट जारी करने पर रोक लगा दी। गुरुवार को सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने ऑनलाइन परीक्षा को सही करार दिया और रिजल्ट जारी करने का आदेश दिया।

37 हजार शिक्षकों की होनी है बहाली-इस नोटिफिकेशन के आधार पर माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विद्यालयों में 37 हजार 335 शिक्षकों की नियुक्ति होनी है। इसमें 25 हजार 270 पद माध्यमिक और 12 हजार 65 पद उच्चतर माध्यमिक शिक्षकों के लिए है। सात साल बाद एसटीईटी हुआ था। जिस कारण उम्रसीमा में छूट दी गई थी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

हमारे शहरों में जीवन

चमकदार भारतीय शहरों में शुमार बेंगलुरु में जीवन का सबसे सुगम होना जितना सुखद है, उतना ही अनुकरणीय भी। गुरुवार को जारी 'ईज ऑफ लिविंग इंडेक्स' अर्थात सुगम जीवन सूचकांक 2020 में पुणे को दूसरा और अहमदाबाद को तीसरा स्थान मिला है। इस बार देश के 111 शहरों में जीवन की सुगमता का आकलन किया गया। इस आकलन में जीवन की गुणवत्ता, सेवाओं की स्थिति, स्थिरता, आर्थिक क्षमता, प्रशासन, योजना, तकनीक और लोगों की राय को आधार बनाया गया था। दस लाख से ज्यादा आबादी के शीर्ष 10 शहरों में क्रमशः चेन्नई, सूरत, नवी मुंबई, कोयम्बटूर, वडोदरा, इंदौर, ग्रेटर मुंबई भी शामिल हैं। 10 लाख से ज्यादा आबादी के सुगमतम शहरों में उत्तर भारत के शहरों का न होना अगर किसी को चुभता हो, तो आश्चर्य नहीं। हालांकि, 10 लाख से कम आबादी के सुगम शहरों की सूची में शिमला ने शीर्ष पर रहते हुए और गुरुग्राम ने आठवें स्थान पर रहकर उत्तर भारत के मान की रक्षा की है। कुल मिलाकर, 10 लाख से कम आबादी वाले शहरों में भी उत्तर भारत के हमारे शहर पिछड़ गए हैं। साफ है, शहरों के विकास के लिए उपयोगी यह सूचकांक एक मूल्यांकन उपकरण है, जो जीवन की गुणवत्ता व शहरी विकास के प्रयासों का मूल्यांकन करता है। इस सूचकांक में आखिर कहां रह गए हमारे शहर? दिल्ली 13वें स्थान पर रही, तो उत्तर प्रदेश में लखनऊ 26वें, वाराणसी 27वें, कानपुर 28वें, गाजियाबाद 30वें और प्रयागराज 32वें स्थान पर रहा। पटना 33वें स्थान पर रहा, तो रांची 42वें पर। मतलब, उत्तर भारत के ये शहर जीवन की सुगमता के मामले में एक-दूसरे के आसपास ही हैं। रांची के लिए तो विशेष प्रयास की जरूरत है और उस धनबाद के लिए भी, जो 48वें स्थान पर है। यह बात बिल्कुल सही है कि उत्तर भारत के शहरों को आबादी की मार कुछ ज्यादा ही झेलनी पड़ती है और उसी हिसाब से सुविधाओं पर भी असर पड़ता है, लेकिन यह बात प्रथम दृष्टि में ही सही है। जीवन की सुगमता के मामले में जो शहर अव्वल आए हैं, उन पर भी तो आबादी का बोझ है, तो वास्तव में, उत्तर भारत के शहरों के सामने शहरी विकास सीखने के लिए बहुत से पहलू हैं। सूचकांक में इस्तेमाल पैमानों को देखें, तो उत्तर भारत के शहरों की सबसे बड़ी कमी उनकी कमजोर आर्थिक क्षमता है। मिसाल के लिए, देश के शीर्ष शहर बेंगलुरु का आर्थिक क्षमता अंक 78.82 है, जबकि रांची का महज 6.88, लखनऊ का 10.05 और पटना का 24.61 है। कमजोर आर्थिक क्षमता संकेत है कि ये शहर न पर्याप्त रोजगार दे पा रहे हैं और न धन-संसाधन के मामले में तेजी से आगे बढ़ पा रहे हैं। पर्याप्त रोजगार सृजन से जीवन का स्तर सुधरता है और शहरों में जीवन आसान भी होता है। गौरतलब बात है कि जीवन की गुणवत्ता में लखनऊ, पटना, रांची भी बेंगलुरु से बहुत पीछे नहीं हैं। कुल मिलाकर, हमारे शहरों के लिए सबसे ज्यादा जरूरी है, बुनियादी सेवाओं और आर्थिक क्षमता में सुधार। दिलचस्प बात है कि उत्तर भारत के लोगों की अपने शहरों के बारे में धारणा बहुत अच्छी है, लेकिन लोगों की राय मात्र से हमारे शहर सुगम जीवन सूचकांक में ऊपर नहीं आ जाएंगे। अपने शहर में सबके लिए जीवन को आसान बनाना है, जो हर एक शहरवासी को अपना दायित्व निभाना होगा।

जारी है अधिक कारगर वैक्सीन की तलाश

मुकुल व्यास

कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए कुछ वैक्सीन बन चुकी हैं और बहुत सी विकास के विभिन्न चरणों से गुजर रही हैं। कुछ देशों ने कोविड वैक्सीनों के आपातकालीन इस्तेमाल की मंजूरी भी दे दी है। लेकिन टीका लगने के बाद इनके इम्यून रेस्पांस को लेकर चिंता बनी हुई है। कोरोना वायरस के नये स्ट्रेन प्रकट होने से वैज्ञानिकों और वैक्सीन निर्माताओं का सिरदर्द बढ़ गया है। इस समय वैक्सीनों के विकास के लिए अलग-अलग विधियां अपनाई जा रही हैं। इनके प्रयोग में लाभ भी हैं और दिक्कतें भी हैं। इसके अलावा जो वैक्सीन एमआरएनए मॉलिक्यूल्स पर आधारित हैं उनके स्टोरेज और ट्रांसपोर्ट के लिए बहुत ही निम्न तापमान की आवश्यकता पड़ती है। इस तरह की परिस्थितियां हर जगह और हर समय बनाए रखना संभव नहीं है। दुनिया के कई देशों में वैक्सीन की जरूरत सबसे ज्यादा है लेकिन ऐसी जगहों पर इस तरह की वैक्सीन पहुंचाना बहुत ही दुष्कर कार्य है। अतः कोविड की रोकथाम के लिए अतिरिक्त वैक्सीनें विकसित करना बहुत जरूरी है। वैक्सीन बनाने के लिए वैज्ञानिक पारंपरिक विधियों के अलावा नई तकनीकें भी अपना रहे हैं जिनमें डीएनए वैक्सीन टेक्नोलॉजी भी शामिल है। टीकाकरण के जरिए मुख्यतः इम्यून सिस्टम को किसी संक्रामक वायरस या बैक्टीरिया अथवा उनके हिस्सों से उत्प्रेरित किया जाता है। इस संक्रामक रोगाणु को कुछ इस प्रकार संशोधित किया जाता है कि मेजबान को उससे कोई हानि न हो लेकिन जब उसका सामना संक्रामक रोगाणु से हो तो वह उसे तुरंत निष्प्रभावी कर दे। पिछले सौ वर्षों से वैक्सीन के विकास के लिए यही तरीका अपनाया जा रहा है। लेकिन हाल ही में वैज्ञानिकों ने टीकाकरण के लिए एक नई तकनीक विकसित की है। इस तकनीक को डीएनए वैक्सीन प्लेटफार्म कहा जाता है। इस तकनीक में वायरस या बैक्टीरिया के जीन का उपयोग किया जाता है। जब किसी मरीज को डीएनए वैक्सीन लगाई जाती है उसकी कोशिकाओं की मशीनरी वायरस या बैक्टीरिया का प्रोटीन बनाने लगती है। मरीज का इम्यून सिस्टम तुरंत समझ जाता है कि यह कोई बाहरी तत्व है। भविष्य में जब कोई ऐसा ही वायरस या बैक्टीरिया शरीर पर हमला करेगा तो शरीर का इम्यून सिस्टम उसे पहचान कर इम्यून रेस्पांस उत्पन्न करेगा। स्वीडन के करोलिंस्का इंस्टीट्यूट के रिसर्चरों ने कोविड के खिलाफ एक नई प्रोटोटाइप वैक्सीन विकसित की है, जिसमे डीएनए आधारित विधि अपनाई गई है। यह विधि सस्ती और टिकाऊ है। इस वैक्सीन का उत्पादन आसानी से किया जा सकता है और इस्तेमाल करने में यह सेफ भी है। साइंटिफिक रिपोर्ट्स पत्रिका में प्रकाशित एक अध्ययन से पता चलता है कि यह वैक्सीन चूहों में तगड़ा इम्यून रेस्पांस उत्पन्न करने में कामयाब रही है। इस वैक्सीन का नाम ड्रेप-एस रखा गया है। इस वैक्सीन में कोरोना वायरस के स्पाइक प्रोटीन के जीन को सम्मिलित किया गया है। वैक्सीन के प्रभाव से उत्पन्न एंटीबॉडीज कोरोना वायरस को पूरी तरह से निष्प्रभावी कर देती हैं। डीएनए प्लेटफॉर्म का उपयोग कई वैक्सीनों के विकास के लिए किया जा चुका है। इबोला, एड्स और चिकनगुनिया जैसे अति संक्रामक रोगों के इलाज के लिए इनके क्लिनिकल ट्रायल चल रहे हैं। रिसर्चरों का कहना है कि नई विधि से तैयार वैक्सीन का एक बड़ा फायदा यह है कि इसे कम डोज में दिया जा सकता है और इसके साइड इफेक्ट भी बहुत ही हल्की किस्म के होंगे। इसके दो बड़े लाभ यह हैं कि स्टोरेज और ट्रांसपोर्ट में कोल्ड चेन की जरूरत नहीं पड़ती तथा वायरस के नए वेरियंट्स या किस्मों के खिलाफ भी इनका प्रयोग किया जा सकता है। इस बीच, वैज्ञानिक यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि कोरोना वायरस संक्रमण के बाद व्यक्तियों पर अलग-अलग ढंग से असर क्यों करता है। कुछ लोगों में बहुत मामूली से लक्षण दिखाई देते हैं और कुछ लोगों में कोई लक्षण नहीं दिखता जबकि कुछ व्यक्ति गंभीर रूप से बीमार हो जाते हैं। अब जापान में ओकिनावा की साइंस एंड टेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी (ओआईएसटी) और जर्मनी के मैक्स प्लांक इवोलुशनरी बायोलॉजी इंस्टीट्यूट के रिसर्चरों ने एक नए अध्ययन में पता लगाया है कि जीनों का एक समूह व्यक्ति के कोविड से गंभीर रूप से बीमार पड़ने के चांस 20 प्रतिशत कम कर देता है। जीनों का यह समूह हमें विलुप्त हो चुके नियंडरथाल मानव से विरासत में मिला है। नियंडरथाल आदि मानव की एक प्रजाति थी जो करीब 40000 वर्ष पहले यूरेशिया (यूरोप और एशिया) में रहती थी। समझा जाता है कि जलवायु परिवर्तन और बीमारियों की वजह से ये आदि मानव विलुप्त हो गए। ओकिनावा यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर स्वांते पाबो ने कहा कि यह बात सही है कि व्यक्ति में पहले से मौजूद डायबिटीज और दूसरी बीमारियों की वजह से कोविड गंभीर रूप ले सकता है। लेकिन इसके साथ ही आनुवंशिक कारण भी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। इनमें से कुछ कारणों में नियंडरथाल मानवों का भी योगदान है। पिछले साल स्वांते पाबो और उनके सहयोगी, प्रोफेसर ह्यूगो जेबर्ग ने नेचर पत्रिका में प्रकाशित अध्ययन में कहा था कि कोविड के गंभीर रूप धारण करने के पीछे भी एक बड़ा आनुवंशिक कारण है, जिसमें नियंडरथाल मानवों का योगदान है। इस आनुवंशिक कारण की वजह से कोविड से गंभीर रूप से बीमार पड़ने का रिस्क दोगुना हो जाता है। पिछले ही साल दिसंबर में ब्रिटेन में कोविड से बीमार पड़ने वाले 2244 लोगों के आनुवंशिक नमूने एकत्र किए गए थे। ब्रिटिश अध्ययन में चार क्रोमोसोम (गुणसूत्र) पर कुछ अतिरिक्त आनुवंशिक क्षेत्रों की पहचान की गई थी जो यह निर्धारित करते हैं कि अमुक व्यक्ति पर कोविड का क्या प्रभाव पड़ेगा। अब पीनास पत्रिका में प्रकाशित एक नए अध्ययन में प्रो. पाबो और उनके सहयोगी प्रो. जेबर्ग ने दर्शाया है कि क्रोमोसोम पर पहचाने गए क्षेत्रों में एक क्षेत्र में एक ऐसा जीन मौजूद है जो तीन नियंडरथाल मानवों से मौजूद जीन के समान है। इनमें से एक आदि मानव के जीवाश्म 50000 वर्ष पुराने हैं जो क्रोएशिया से मिले थे। दूसरे और तीसरे आदि मानव के जीवाश्म दक्षिणी साइबेरिया से मिले थे। ये क्रमशः 70000 और 120000 वर्ष पुराने हैं। आश्चर्य की बात है कि दूसरा आनुवंशिक कारण पहले आनुवंशिक कारण की तुलना में कोविड पर विपरीत असर करता है। यह जीन कोविड की तीव्रता का रिस्क बढ़ाने के बजाय सुरक्षा प्रदान करता है। यह जीन क्रोमोसोम 12 पर स्थित है। यह कोविड के रोगी के आईसीयू में जाने के रिस्क को 22 प्रतिशत कम करता है। प्रो. पाबो ने कहा कि यह सचमुच आश्चर्यजनक बात है कि नियंडरथाल मानवों को लुप्त हुए 40000 वर्ष बीत चुके हैं लेकिन उनका इम्यून सिस्टम आज भी सकारात्मक और नकारात्मक ढंग से हमें प्रभावित कर रहा है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

आज के ट्वीट

सेवा

भारत आज जिस तरह मानवता की सेवा कर रहा है, उससे पूरी दुनिया में भारत एक बहुत बड़ा ब्रांड बन गया है। भारत की साख, भारत की पहचान निरंतर नई ऊंचाई पर पहुंच रही है: --पीएम

ज्ञान गंगा

अभिमान-स्वाभिमान

आचार्य रजनीश ओशो

स्वाभिमान अभिमान नहीं। भिन्नता ही नहीं है, विरोध है। अभिमान दूसरे से अपने को श्रेष्ठ समझने का भाव है। किस-किस से अपने को श्रेष्ठ समझोगे? कोई सुंदर है ज्यादा, कोई स्वस्थ है ज्यादा, कोई प्रतिभाशाली है, कोई मेधावी है। अभिमानी जीवन भर दुख झेलता है। जगह-जगह चोटें खाता है। उसका जीवन घाव और घाव से भरता चला जाता है। दूसरे से तुलना करने में अभिमान है। और मैं दूसरे से श्रेष्ठ हूं, ऐसी धारणा में अभिमान है। स्वाभिमान बात ही और है। स्वाभिमान अत्यंत विनम्र है। दूसरे से श्रेष्ठ होने का कोई सवाल नहीं है। अब्राहम लिंकन के संबंध में उल्लेख है कि वैज्ञानिकों के एक सम्मेलन में उन्हें निमंत्रित किया गया। वे गए भी। उस द्वार से, जहां से भीड़ आ रही थी आम लोगों की-जिनका न कोई नाम है, न कोई ठौर है, न कोई ठिकाना है। और बैठे रहे वहीं, जहां लोग जूते छोड़ जाते हैं। संयोजक घोषणाएं करने लगे कि बड़ी मुश्किल है, हमने लिंकन को आमंत्रित किया है और वे अभी तक पहुंचे नहीं। उनकी मौजूदगी बिना सम्मेलन को शुरू करें, यह जरा अपमानजनक है। देर होती जा रही है। लिंकन के पास में बैठे आदमी ने उन्हें टिहुनी से धक्का दिया कि महाराज, खड़े होकर साफ-साफ कह क्यों नहीं देते कि तुम मौजूद हो, सम्मेलन शुरू हो? लिंकन ने कहा कि मैं चाहता था चुपचाप..क्योंकि यह वैज्ञानिकों का सम्मेलन है। इसमें मेरे प्रधान होने का कहां सवाल उठता है? लेकिन तब तक दूसरे लोगों ने भी देख लिया। संयोजक भी भागे आए और उनसे कहा, यह आप क्या कर रहे हैं? यह हमारे सम्मेलन का सम्मान नहीं, अपमान हो रहा है कि आप वहां बैठे हैं, जहां लोग जूते छोड़ जाते हैं। लिंकन ने कहा, नहीं, मैं वहां बैठा हूं, जहां से और पीछे न हटाया जा सकूं। यह बात कि मैं वहां बैठा हूं, जहां से और पीछे न हटाया जा सकूं-बड़े स्वाभिमानी व्यक्ति की बात है। स्वाभिमानी किसी को नीचे दिखाना नहीं चाहता, और न ही किसी को मौका देगा कि कोई उसे नीचा दिखा सके। स्वाभिमान किसी व्यक्ति में पैदा होता है, तो पहचानना भी मुश्किल होता है क्योंकि उसका कोई दावा नहीं। लेकिन चमत्कार तो यही है कि स्वाभिमान का कोई दावा नहीं, यही उसका दावा है। स्वाभिमानी व्यक्ति किसी के ऊपर अपने को रखना नहीं चाहता, और किसी को कभी अपने ऊपर गुलामी लादने न देगा।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। जारी प्रयास सार्थक होंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। शासन सत्ता से तनाव मिलेगा। गृह सुख में कमी रहेगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आर्थिक योजनायें सफल होंगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखना आवश्यक होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मिथुन प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। उदर विकार या नेत्र विकार की संभावना है। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलने के योग हैं। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती है।

कर्क पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आपको आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है। खान-पान में संयम रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

कन्या पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। मांगलिक कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृश्चिक परिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

मकर आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी।

कुम्भ प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। वाणी की असभ्यता आपको किसी संकट में डाल सकती है। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शासन सत्ता के स्वास्थ्य के प्रति चिंतित रहेंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

102 की उम्र में दधीचि जैसा ऋषिकर्म

अरुण नैथानी

कहते हैं कि पढ़ने की कोई उम्र नहीं होती। लेकिन उड़ीसा जजपुर जिले के कंतीरा गांव के नंदा प्रुस्टी ने बताया कि पढ़ाने की भी कोई उम्र नहीं होती। साढ़े सात दशक से निःशुल्क शिक्षण कार्य कर रहे नंदा प्रुस्टी का शरीर 102 साल में कई रोगों से ग्रस्त भी है, लेकिन उनका जुनून थमा नहीं। कहते हैं जब तक सांस चलेगी, कक्षाएं चलेंगी। जिन व्यक्तियों को कभी उन्होंने पढ़ाया, अब उनके पोतों को पढ़ा रहे हैं। उनके इस ऋषिकर्म जैसे अभियान को तब प्रतिष्ठा मिली और पूरे देश जाना, जब हाल ही में उन्हें प्रतिष्ठित नागरिक सम्मान पद्मश्री के लिये इस वर्ष चुना गया। निस्संदेह राजग सरकार के दौरान तमाम ऐसे अनाम लोगों को यह सम्मान मिला, जो दशकों से मानव सेवा में लगे थे। जिस पुरस्कार के लिये पूरे देश में लॉबिंग और जोड़तोड़ होती है, उस पुरस्कार के बारे में नंदा प्रुस्टी को तब पता चला जब पत्रकारों ने इसके उन्हें मिलने के बारे में बताया। बहरहाल, वे कहते हैं कभी पुरस्कार के लिये नहीं सोचा, अब मिला है तो बहुत खुश हूं। परतंत्र भारत में जन्मे नंदा किशोर प्रुस्टी के घर के आसपास स्कूल नहीं थे। घर में घोर गरीबी थी। पिता पढ़ाने की स्थिति में न थे। मामा ने शिक्षा के प्रति उनके जुनून को समझा और अपने साथ ले जाकर उन्हें कक्षा सात तक पढ़ाया। दुर्भाग्य से मामा का तबादला कटक हो गया। पिता ने वहां पढ़ाई के लिये नहीं भेजा और कहा, खेती में हाथ बटाये। बालक नंदा के लिये यह बड़ा झटका था, लेकिन उन्होंने निराशा में डूबने के बजाय अपने अर्जित ज्ञान को निःशुल्क बांटने का मन बनाया। नंदा बताते हैं, मैंने देखा कि गांव के अनपढ़ बच्चे यूं ही गांव में मटरगश्ती करते रहते हैं। बच्चे तो बच्चे, बड़े अंगूठाछापों की बड़ी फौज थी। सोचा, कम से कम उन्हें हस्ताक्षर करना ही सिखाया जाये। संसाधन थे नहीं, सो एक पेड़ के नीचे गर्मी, सर्दी और बरसात में कक्षाएं शुरू हुई। सुबह के समय कुछ घंटों के लिये बच्चे आते और शाम को बुजुर्ग निरक्षर। ये सिलसिला चल निकला और पिछले साढ़े सात दशक से बदस्तूर जारी है। पहले-पहले तो बच्चों को पकड़-पकड़कर लाना पड़ा, फिर बच्चे स्वेच्छा से आने लगे। नंदा उन्हें उड़िया भाषा का ज्ञान और गणित सिखाते। बच्चों को कक्षा चार तक पढ़ाकर फिर औपचारिक स्कूलों में पढ़ने भेज देते हैं। केवल कंतीरा गांव के ही नहीं, आसपास के गांवों के बच्चे व बुजुर्ग भी उनके पास पढ़ने आने लगे। बुजुर्ग न केवल अक्षर ज्ञान हासिल करते बल्कि भगवद ्गीता का भी पाठ भी उनके सान्निध्य में करते। बुजुर्ग अब अंगूठा लगाने के बजाय हस्ताक्षर करने लगे। दरअसल, इस मुहिम के जरिये नंदा परंपरागत चटशाली परंपरा का ही निर्वाह कर रहे हैं, जिसमें अनौपचारिक रूप से शिक्षा देने की परंपरा रही है। शायद वे इस परंपरा का निर्वहन करने वाले आखिरी व्यक्ति होंगे। यह परंपरा बताती है कि शिक्षा के दान से बड़ा कोई दान नहीं हो सकता। उनका मानना है कि शिक्षा देने का मूल्य नहीं लिया जाना चाहिए। इसी ऋषिकर्म का सम्मान कृतज्ञ राष्ट्र ने उन्हें 102 साल की उम्र में पद्मश्री के रूप में दिया। बहरहाल, कतिपय स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के बावजूद उनका मिशन जारी है। ज्यादा उम्र के चलते वे ऊंचा सुनते हैं, लेकिन पढ़ाने का जज्बा बदस्तूर जारी है। ऐसे वक्त में जब पूरी दुनिया कोविड महामारी से जूझ रहा थी और कंतीरा गांव में मास्क, सैनिटाइजर और पीपीए किट की सुविधा नहीं थी, नंदा प्रुस्टी की कक्षाएं जारी रहीं। उनका मकसद है कि गांव में कोई बच्चा अनपढ़ न रह जाये। गांव वाले उन्हें प्यार से नंद मस्तरे यानी नंदा मास्टर संबोधित करते हैं और आसपास के इलाकों में शिक्षा यज्ञ के चलते उनका बड़ा सम्मान है। उन्होंने ग्रामीणों की तीन पीढ़ियों को पढ़ाने का काम किया है। एक समय था कि गांव में बच्चों को पढ़ाने के लिये कोई स्थान नहीं था। लेकिन आज जब गांव के सरपंच ने उन्हें संसाधन उपलब्ध कराने चाहे तो उन्होंने किसी तरह की सहायता लेने से मना कर दिया और प्राकृतिक वातावरण में शिक्षा के यज्ञ को जारी रखने का संकल्प दोहराया। उनका मानना है कि ज्ञान बांटना किसी की मदद करने जैसा है, इसके लिये किसी तरह की मदद नहीं ली जानी चाहिए। वे कहते हैं, बच्चों को पढ़ाकर उन्हें आत्मिक खुशी मिलती है। वे चाहते हैं कि हर बच्चा पढ़-लिखकर अच्छा इंसान बने। लेकिन लालची न बने। बहरहाल, नंदा प्रुस्टी को प्रतिष्ठित नागरिक सम्मान पद्मश्री मिलने से गांव व आसपास के लोग आश्चर्य मिश्रित खुशी जता रहे हैं। इसे उनकी निःस्वार्थ सेवा का प्रतिफल मान रहे हैं। उनके जज्बे को सराह रहे हैं।

हर मौसम में खुले वातावरण में पेड़ के नीचे बच्चों को पढ़ाने वाले नंदा प्रुस्टी का मानना है कि मन में संकल्प हो तो किसी भी काम और लक्ष्य के लिये उम्र कोई बाधा नहीं बनती। उद्देश्य व लक्ष्य सात्विक हो तो सफलता जरूर मिलती है। निस्संदेह, नंदा प्रुस्टी का यह अभियान देश के लाखों लोगों के लिये प्रेरणा का प्रतीक है। यही वजह कि आसपास स्कूल खुलने के बावजूद बच्चे उनके पास खुशी-खुशी पढ़ने आते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 68.9 करोड़ डॉलर बढ़कर 584.55 अरब डॉलर हुआ

मुंबई, देश का विदेशी मुद्रा भंडार 26 फरवरी को समाप्त सप्ताह में 68.9 करोड़ डॉलर बढ़कर 584.554 अरब डॉलर हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के शुक्रवार को जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। इससे पहले के सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 16.9 करोड़ डॉलर घटकर 583.865 अरब डॉलर रह गया था। इससे पहले इस मुद्राभंडार में पिछले कुछ सप्ताहों से निरंतर तेजी बनी हुई थी। विदेशी मुद्रा भंडार 29 जनवरी 2021 को समाप्त सप्ताह में 590.185 अरब डॉलर के रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया था। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार 26 फरवरी को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों (एफसीए) के बढ़ने की वजह से मुद्रा भंडार में बढ़ोतरी हुई। विदेशीमुद्रा परिसंपत्तियां, कुल विदेशी मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा होती है। रिजर्व बैंक के साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार समीक्षाधीन अवधि में एफसीए 50.9 करोड़ डॉलर बढ़कर 542.615 अरब डॉलर हो गयीं। एफसीए को दर्शाया डॉलर में जाता है, लेकिन इसमें यूरो, पौंड और येन जैसी अन्य विदेशी मुद्रा सम्पत्ति भी शामिल होती हैं। आंकड़ों के अनुसार देश के स्वर्ण भंडार का मूल्य 17.2 करोड़ डॉलर बढ़कर 35.421 अरब डॉलर हो गया। देश को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में मिला विशेष आहरण अधिकार 90 लाख डॉलर बढ़कर 1.517 अरब डॉलर हो गया। आईएमएफ के पास आरक्षित मुद्रा भंडार मामूली रूप से घटकर घटकर 5.001 अरब डॉलर रह गया।

भारत में 'रेडमी' ब्रांड के स्मार्ट टीवी पेश करेगी शाओमी

नयी दिल्ली, चीन की प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कंपनी शाओमी जल्द भारत में 'रेडमी' ब्रांड से स्मार्ट टीवी पेश करेगी। कंपनी का इरादा भारत के तेजी से आगे बढ़ते स्मार्ट टीवी बाजार में अपनी पैठ मजबूत करने का है। शाओमी इंडिया के प्रमुख (स्मार्ट टीवी) ईश्वर नीलकंठन ने पीटीआई-भाषा से कहा कि कंपनी ने जब 2018 में भारत में स्मार्ट टीवी पेश किया था, तो हमारा उद्देश्य देश में स्मार्ट टीवी की पहुंच बढ़ाना था। उन्होंने कहा कि 2018 में स्मार्ट टीवी की पहुंच 18 प्रतिशत थी। कुल बिकने वाले टीवी में से 20 प्रतिशत से भी कम स्मार्ट टीवी होते थे। आज यह 55 प्रतिशत से अधिक हो गया। बाजार के साथ हम भी बढ़े हैं और हमने 50 लाख से अधिक स्मार्ट टीवी बेचे हैं। नीलकंठन ने कहा कि भारत में 20 करोड़ से अधिक परिवार हैं। इनमें से 17 करोड़ के पास टीवी है। 10 करोड़ के पास सीआरटी टीवी और सात करोड़ के पास फ्लैट मॉनिटर टीवी है। उन्होंने कहा, ''स्मार्ट टीवी की पहुंच सिर्फ दो करोड़ है। ऐसे में यदि आप कुल बाजार को देखें, तो पांच करोड़ लोग स्मार्ट टीवी खरीदने आएंगे। इसके अलावा 10 करोड़ सीआरटी टीवी वाले बाजार सीधे स्मार्ट टीवी की खरीद करेंगे।'' कई स्मार्टफोन कंपनियों मसलन सैमसंग, एलजी, माइक्रोमैक्स, वनप्लस, इनफिनिक्स और मोटोरोला के भारत में उत्पाद पोर्टफोलियो में स्मार्ट टीवी शामिल हैं।

कोल इंडिया निदेशक मंडल ने 5 रुपए प्रति शेयर का दूसरा अंतरिम लाभांश मंजूर किया

नई दिल्ली: सार्वजनिक क्षेत्र की कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने शुक्रवार को कहा कि उसके निदेशक मंडल ने 2020-21 के लिए 5 रुपए प्रति शेयर के दूसरे अंतरिम लाभांश के भुगतान को मंजूरी दी है। कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने एक नियामकीय सूचना में बीएसई को बताया कि वर्ष 2020-21 के लिए इक्विटी शेयरों पर दूसरे अंतरिम लाभांश के भुगतान के लिये 16 मार्च 'रिकॉर्ड तिथि' तय की गई है। सूचना में कहा गया है, 'निदेशक मंडल ने शुक्रवार को आयोजित बैठक में, पांच मार्च 2021 को वित्तवर्ष 2020-21 के लिए दूसरे अंतरिम लाभांश के भुगतान को मंजूरी दे दी जो 10 रुपये के अंकित मूल्य वाले प्रत्येक शेयर के लिए पांच रुपए प्रति शेयर है।' अंतरिम लाभांश का भुगतान 24 मार्च से किया जाएगा। घरेलू कोयले के उत्पादन में सीआईएल की हिस्सेदारी 80 प्रतिशत से अधिक है। कंपनी का वर्ष 2023-24 तक कोयला उत्पादन के एक अरब टन तक ले जाने का लक्ष्य है।

स्मार्टफोन पर गेमिंग और HD वीडियो कॉलिंग के मामले में एयरटेल सबसे आगे : रिपोर्ट

नई दिल्ली।

अगर 1080पी वीडियो स्ट्रीमिंग, रियल-टाइम मोबाइल गेमिंग और एचडी वीडियो कॉलिंग जैसी सुविधाओं की बात करें तो भारत में एयरटेल अपने ग्राहकों को सर्वश्रेष्ठ मोबाइल अनुभव प्रदान कर रहा है। शुक्रवार को एक नई रिपोर्ट में यह बात सामने आई है। एयरटेल ने छह में से चार मेट्रिक्स परीक्षण में बेहतरीन प्रदर्शन किया और इसने शीर्ष तीन प्रदाताओं में से 56.6 प्रतिशत की उच्चतम उत्कृष्ट सुसंगत गुणवत्ता हासिल की। अन्य ऑपरेटर्स में जियो और वोडाफोन-आइडिया (पहले वोडाफोन) शामिल रहे। मोबाइल डेटा कंपनी टुटेला की नवीनतम स्टेट ऑफ मोबाइल एक्सपीरियंस रिपोर्ट के अनुसार, दूरसंचार प्रदाता एयरटेल ने इसके साथ ही उच्चतम मूल सुसंगत गुणवत्ता यानी कोर कंसिस्टेंट क्वालिटी (वेब ब्राउजिंग, एसडी वीडियो स्ट्रीमिंग या सोशल मीडिया पर फोटो साझा करने की दैनिक गतिविधियां) 83.7 प्रतिशत रही। रिपोर्ट के अनुसार एयरटेल को सबसे तेज डाउनलोड स्पीड के साथ ही सबसे उत्तरदायी (रिस्पोंसिव) नेटवर्क भी बताया गया है। टुटेला के उपाध्यक्ष टॉम ल्यूक ने अपने एक बयान में कहा, 'भारत के ऑपरेटर अपने परिणामों के साथ लगातार हमें प्रभावित करते हैं। विशेष रूप से छह में से चार मेट्रिक्स के साथ एयरटेल ने प्रभावित किया है, लेकिन साथ ही वोडाफोन-आइडिया और जियो ने भी दो अन्य श्रेणियों में एक मजबूत लड़ाई लड़ी है।' उन्होंने कहा कि हालांकि 5जी की तैनाती अन्य देशों की तुलना में धीमी हो सकती है। ल्यूक ने कहा, 'हम ग्राहकों के लिए देश में 4जी तकनीक का अच्छी तरह से उपयोग करने से प्रभावित हैं और साथ ही हमें विश्वास है कि एक बार 5जी के तैयार होने के बाद उसे भी अच्छे से भुनाया जाएगा।'

रिपोर्ट में सामने आया है कि जियो के नए एलटीई स्पेक्ट्रम का अधिग्रहण आक्रामक रहा है और इसकी होल्डिंग में काफी वृद्धि हुई है, मगर कुल होल्डिंग्स के मामले में यह तीसरे स्थान पर रहा।

डॉलरन के मुकाबने रुपया 19 पैसे की गिरावट के साथ 73.02 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ

मुंबई , वैश्विक बाजार में जोखिम बढ़ने के बीच डॉलर के मजबूत होने से अन्तरबैंक विदेशीमुद्रा विनिमय बाजार में शुक्रवार को रुपया 19 पैसे की गिरावट के साथ 73.02 प्रति डालर (अनंतिम) पर बंद हुआ। अंतर बैंक विदेशी विनिमय बजार में डालर-रुपया दर 72.98 पर खुली। रुपया एक समय मजबूत हो कर 72.73 तक चला गया था। बाद में डालर 73.09 रुपये तक चला गया। अंत में रुपये की विनिमय दर 19 पैसे की गिरावट के साथ 73.02 रुपये प्रति डालर पर बंद हुई। बृहस्पतिवार को डालर-रुपया दर 72.83 पर बंद हुई थी। छह प्रमुख मुद्राओं के समक्ष डालर की स्थिति का संकेत देने वाला डालर सूचकांक 0.35 प्रतिशत सुधर कर 91.95 पर पहुंच गया था। वैश्विक बाजार में ब्रेंट कच्चे तेल का वायदा भाव 2.59 प्रतिशत बढ़कर 68.47 डालर प्रति बैरल पर चल रहा था।

प्लेटफॉर्म टिकट की बढ़ी कीमतों पर रेलवे की सफाई- यह बढ़ोत्तरी अस्थाई, भीड़भाड़ रोकने के लिए उठाया कदम

नई दिल्ली: रेलवे ने शुक्रवार को कहा कि कुछ स्टेशनों में प्लेटफॉर्म टिकट की कीमतों में हाल में की गई बढोतरी ''अस्थाई'' है और कोरोना वायरस संक्रमण के कारण भीड़-भाड़ को कम करने के लिए यह कदम उठाया गया है। हाल ही में कुछ स्टेशनों में प्लेटफॉर्म टिकट की कीमत 50 रुपए तक बढ़ाई गई है। रेलवे ने कहा कि कम दूरी वाली यात्रा के टिकट के दामों में बढ़ोतरी का भी मकसद महामारी के दौरान लोगों को गैर जरूरी यात्रा करने से रोकना है। रेलवे ने कहा, '' कुछ स्टेशनों में प्लेटफॉर्म टिकटों की कीमतों में हाल में की गई बढोतरी ''अस्थाई'' कदम है और इसका मकसद भीड़-भाड़ के जरिए संक्रमण को फैलने से रोकना है। ऐसा केवल कुछ स्टेशनों में किया गया है जहां ज्यादा भीड़-भाड़ हो रही थी।'' रेलवे ने कहा कि मुंबई डिविजन के 78 में से केवल सात स्टेशनों में दाम बढ़ाए गए हैं। उसने कहा कि स्टेशन पर भीड़-भाड़ को कम करने के लिए प्लेटफॉर्म टिकट के दाम बढ़ाने की शक्ति प्रमंडल रेलवे प्रबंधकों के पास 2015 से है। रेलवे ने कहा कि इसमें कोई नयी बात नहीं है और यह प्रक्रिया कई वर्षों से है लेकिन इसका इस्तेमाल कभी कभी ही किया जाता है।

पेट्रोल, डीजल पर केन्द्र, राज्य दोनों के स्तर पर करों में कमी लाई जानी चाहिये: सीतारमण

नयी दिल्ली,

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने स्वीकार किया है कि पेट्रोल और डीजल के ऊंचे दाम उपभोक्ताओं का बोझ बढ़ा रहे हैं। उपभोक्ताओं को पेट्रोल और डीजल की ऊंची कीमतों से राहत मिलनी चाहिए, लेकिन इसके लिये केन्द्र और राज्य दोनों के स्तर पर करों में कटौती करनी होगी। पेट्रोल की खुदरा कीमत में 60 प्रतिशत हिस्सेदारी केंद्रीय और राज्य करों की है। डीजल के मामले में यह 56 प्रतिशत तक है। राजस्थान, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में कुछ स्थानों पर पेट्रोल 100 रुपये प्रति लीटर को पार कर गया है जबकि देश में अन्य स्थानों पर भी इनके दाम अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर चल रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट का लाभ लेने के लिए सीतारमण ने पिछले साल पेट्रोल और डीजल पर केंद्रीय उत्पाद शुल्क में रिकॉर्ड वृद्धि की थी। इस दौरान अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम दो दशक के निचले स्तर पर आ गए थे। हालांकि, सीतारमण ने उपभोक्ताओं को राहत के लिए केंद्रीय करों में कटौती की दिशा में पहल करने के बारे में कुछ नहीं कहा। इंडियन वुमेंस प्रेस कॉर्प (आईडब्ल्यूपीसी) में शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत में सीतारमण ने कहा, ''जहां तक उपभोक्ताओं की बात है, उनके लिए ईंधन कीमतों में कटौती की मांग का मामला बनता है।'' उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं पर बोझ की बात समझ आती है, लेकिन इनका मूल्य निर्धारण अपने आप में एक जटिल मुद्दा है। सीतारमण ने कहा, ''इसी वजह से मैंने 'धर्मसंकट' शब्द का इस्तेमाल किया था। यह ऐसा सवाल है जिसपर मैं चाहूंगी कि राज्य और केंद्र बात करें। केंद्र पेट्रोलियम उत्पादों पर अकेले कर नहीं लगाता है। राज्य भी कर लेते हैं।'' उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्यों दोनों को पेट्रोल और डीजल पर कर से राजस्व मिलता है। सीतारमण ने कहा कि केंद्र के कर संग्रहण में से भी 41 प्रतिशत राज्यों को जाता है। वित्त मंत्री ने कहा कि इस मुद्दे में कई परतें है। ऐसे में यह उचित होगा कि केंद्र और राज्य इस पर आपस में बात करें। पेट्रोल और डीजल को माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के तहत लाने के मुद्दे पर सीतारमण ने कहा कि इस बारे में कोई भी फैसला जीएसटी परिषद को लेना है। फिलहाल केंद्र सरकार पेट्रोल और डीजल पर निश्चित दर से उत्पाद शुल्क लगाती है। वहीं विभिन्न राज्यों द्वारा इसपर अलग दर से मूल्यवर्धित कर लगाया जाता है। इसे जीएसटी के तहत लाने से दोनों समाहित हो जाएंगे। इससे वाहन ईंधन के दामों में समानता आएगी। ऐसे में ऊंचे मूल्यवर्धित कर वाले राज्यों में दाम अधिक होने की समस्या का समाधान हो सकेगा। यह पूछे जाने पर कि केन्द्र क्या जीएसटी परिषद की अगली बैठक में इस तरह का प्रस्ताव लायेगा। जवाब में उनहोंने कहा कि परिषद की बेठक का समय नजदीक आने पर इस बारे में विचार होगा।

अमेरिकी बांडों पर निवेश-प्रतिफल बढ़ने से शेयर बाजारों में गिरावट जारी, सेंसेक्स 441 अंक टूटा

मुंबई,

अमेरिका में सरकारी प्रतिभूतियों पर निवेश प्रतिफल में उछाल के साथ साथ कच्चे तेल की कीमतों में नयी तेजी से वैश्विक शेयर बाजारों में बिकवाली का दबाव बना हुआ है। उसके असर से स्थानीय शेयर बाजरों में लगातार दूसरे दिन शुक्रवार को भी गिरावट दर्ज की गयी। बंबई शेयर बाजार(बीएसई) का सेंसेक्स 441 अंक और टूट गया और निफ्टी 15,000 अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे आ गया। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 440.76 अंक या 0.87 प्रतिशत के नुकसान से 50,405.32 अंक पर आ गया। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 726 अंक ऊपर-नीचे हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 142.65 अंक या 0.95 प्रतिशत टूटकर 14,938.10 अंक पर बंद हुआ। रिलायंस सिक्योरिटीज के रणनीतिक प्रमुख विनोद मोदी ने कहा, ''अमेरिका में 10 साल के बांड पर निवेश प्रतिफल बढ़ने और फेडरल रिजर्व के चेयरमैन की इस पर टिप्पणी से घरेलू बाजारों में लगातार दूसरे दिन गिरावट आई। एफएससीजी को छोड़कर अन्य सभी क्षेत्रों के शेयरों में नुकसान रहा।'' पिछले दो सत्रों में सेंसेक्स 1,039.33 अंक या 2.02 प्रतिशत टूट चुका है। वहीं निफ्टी में इस दौरान 307.5 अंक या 2.01 प्रतिशत का नुकसान दर्ज हुआ है। साप्ताहिक आधार पर सेंसेक्स कुल मिलका कर 1,305.33 अंक या 2.65 प्रतिशत लाभ में रहा। निफ्टी साप्ताहिक आधार पर 408.95 अंक या 2.81 प्रतिशत ऊंचा रहा। सेंसेक्स की कंपनियों में इंडसइंड बैंक, एसबीआई, डॉ रेड्डीज, एनटीपीसी, आईसीआईसीआई बैंक, एचसीएल टेक और बजाज फिनसर्व के शेयर नुकसान में रहे। वहीं दूसरी ओर ओएनजीसी, मारुति, कोटक बैंक, नेस्ले और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर लाभ में रहे। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 21 में नुकसान रहे। मोदी ने कहा कि निश्चित रूप से बांड पर प्राप्ति बढ़ने से वैश्विक निवेशक दबाव में हैं। बांड पर प्राप्ति बढ़ने से भविष्य की आमदनी घटती और नकदी प्रवाह का अनुमान प्रभावित होता है।

अमेरिका में बांड पर प्राप्ति बढ़ने से मुद्रास्फीतिक दबाव का अंदेशा है। इससे वॉल स्ट्रीट में गिरावट आई। इसी के अनुरूप अन्य एशियाई बाजारों में भी गिरावट का सिलसिला जारी रहा। शेयर बाजारों के अस्थायी आंकड़ों के अनुसार विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने बृहस्पतिवार को भारतीय पूंजी बाजारों से शुद्ध रूप से 223.11 करोड़ रुपये की निकासी की। बीएसई स्मॉलकैप और मिडकैप में 1.89 प्रतिशत तक की गिरावट आई। एलकेपी सिक्योरिटीज के शोध प्रमुख एस रंगनाथन ने कहा, ''फेडरल रिजर्व के प्रमुख जेरोम पावेल के बयान और कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से शेयर बाजार नरम रुख के साथ खुले। धातु और वित्तीय कंपनियों के शेयरों में मुनाफावसूली से पूरे दिन बाजार में नुकसान में रहे।'' अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 19 पैसे टूटकर 73.02 प्रति डॉलर पर आ गया। वैश्विक बेंचमार्क ब्रेंट कच्चा तेल 1.26 प्रतिशत के लाभ से 68.11 डॉलर प्रति बैरल पर चल रहा था।

रिलायंस अपने कर्मचारियों, उनके परिवार के कोविड- 19 टीकाकरण का बोझ वहन करेगी

नयी दिल्ली,

अरबपति कारोबारी मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड अपने करीब 12.2 लाख कर्मचारियों और उनके करीबी पारिवारिक सदस्यों के कोविड- 19 टीकाकरण का खर्च खुद उठायेगी। इसके साथ ही रिलायंस भी उन कंपनियों के समूह में आ गई है जिन्होंने अपने कर्मचारियों को कोविड- 19 महामारी से बचाने के लिये टीका लगाने का खर्च स्वयं उठाने का फैसला किया है। सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की अग्रणी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसिज (टीसीएस), इन्फोसिस, एसेंचर और सार्वजनिक क्षेत्र के भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने अपने कर्मचारियों और उनके पारिवारिक सदस्यों को टीका लगाने की लागत स्वयं वहन करने की घोषणा की है। रिलायंस फाउंडेशन की चेयरपर्सन और रिलायंस इंडस्ट्रीज की गैर- कार्यकारी नदेशक नीता अंबानी ने कर्मचारियों को भेजे एक आंतरिक संदेश में कहा है, ''जैसा कि हमने पहले प्रतिबद्धता जताई थी रिलायंस आपके, आपकी पत्नी, आपके माता- पिता और टीका लगाने योग्य आपके बच्चों के टीकाकरण की पूरी लागत वहन करेगी। आपकी और आपके परिवार की सुरक्षा और बेहतरी हमारी जिम्मेदारी है।'' कंपनी ने अपने कर्मचारियों के टीकाकरण के लिये खास अस्पतालों के साथ गठबंधन किया है। कर्मचारियों को ये टीके वह जहां भी काम कर रहे हैं उन्हीं स्थानों में स्थित अस्पतालों में लगाये जायेंगे। रिलायंस के टीकाकरण कार्यक्रम में समूह की सभी अनुषंगियों के कर्मचारी शामिल होंगे। रिलायंस इंडस्ट्रीज के तेल और रसायन कारोबार, खुदरा उपक्रम और दूरसंचार उद्यम जियो तथा उनसे जुड़ी सहयोगी कंपनियों के कर्मचारियों और उनके प्रजीकृत आश्रितों को कंपनी टीका लगवायेगी। नीता अंबानी ने समूह में आंतरिक तौर पर भेजे गये संदेश में कहा है, ''मुकेश और मेरे लिये प्रियजनों की खुशियों और बेहतर स्वास्थ्य काफी मायने रखता है और यह हमारे लिये एक परिवार का हिस्सा है - रिलायंस परिवार।'' उन्होंने उन सभी कर्मचारियों से आग्रह किया है जो कि सरकार के टीकाकरण कार्यक्रम के तहत टीका लगने के पात्र है, वह जल्द से जल्द अपना पंजीकरण करा लें।

फुजीफिल्म ने भारत में नए मिररलेस कैमरे लॉन्च किए

नई दिल्ली।

जापानी फोटोग्राफी और इमेजिंग प्रमुख फुजीफिल्म ने शुक्रवार को भारतीय बाजार में जीएफएक्स 100एस और एक्स-ई4 मिररलेस कैमरे लॉन्च किए। फुजीफिल्म जीएफएक्स 100एस और फुजिनॉन लेंस जीएफ80एमएमएफ1.7 आरएफ अब देश भर में जीएफएक्स100एस बॉडी के लिए 5,39,999 रुपये में और जीएफ80एमएमएफ1.7 के लिए 2,09,999 रुपये में उपलब्ध हैं। कंपनी के अनुसार, फुजीफिल्म की जीएफएक्स श्रृंखला की नवाचार क्षमताओं को ध्यान में रखते हुए जीएफएक्स 100एस एक बड़े प्रारूप सेंसर से लैस है जो 35 मिमी के पूर्ण-फ्रेम सेंसर के आकार का 1.7 गुना है। फुजीफिल्म इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक हारुतो इवाता ने बयान में कहा कि हमारे टॉप-ऑफ-द-क्लास जीएफएक्स 100एस और नए फुजिनॉन लेंस के लॉन्च के साथ हम नवाचार में उल्लेखनीय उत्कृष्टता प्रदान करना चाहते हैं। यह कैमरा 102 मेगा पिक्सेल का एक बड़ा फॉरमेट सेंसर एवं विशिष्ट किस्म की कलर रिप्रोडक्शन टेक्नोलॉजी से लैस है। यह बहुत ही तेज गति और सटीकता के साथ तस्वीरें खींच सकता है, क्योंकि इसमें ऑटोफोकस फंक्शन (एएफ) भी है। जीएफएक्स 100एस के अनुभव को और बेहतर बनाने के लिए कंपनी ने फूजिनॉन लेंस जीएफ80एमएमएफ1.7 आर डब्ल्यूआर भी पेश किया है जो कैमरे की क्षमताओं को बढ़ाता है।

नए इंटर-चेंजेबल जीएफ लेंस विशेष रूप से मिररलेस डिजिटल कैमरों के जीएफएक्स श्रृंखला के लिए डिजाइन किए गए हैं।

कोरोना से प्रभावित महाराष्ट्र की अर्थव्यवस्था में 2020-21 में आएगी आठ प्रतिशत की गिरावट : समीक्षा

मुंबई,

महाराष्ट्र की अर्थव्यवस्था में चालू वित्त वर्ष 2020-21 में आठ प्रतिशत की गिरावट आने का अनुमान है। राज्य विधानसभा में शुक्रवार को पेश आर्थिक समीक्षा-2021 में यह अनुमान लगाया गया है। समीक्षा में कहा गया है कि कोविड-19 महामारी का सबसे अधिक झटका उद्योग और सेवा क्षेत्रों पर पड़ा है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री अजित पवार ने राज्य विधानसभा में समीक्षा पेश की। वित्त राज्यमंत्री शंभूराज देसाई ने विधान परिषद में इसे रखा। समीक्षा में चालू वित्त वर्ष में राज्य की अर्थव्यवस्था में आठ प्रतिशत की गिरावट आने का अनुमान लगाया गया है। चालू वित्त वर्ष में राज्य की अर्थव्यवस्था 19,62,539 करोड़ रुपये रहने का अनुमान हैं इसके अलावा उद्योग क्षेत्र में 11.3 प्रतिशत तथा सेवा क्षेत्र में नौ प्रतिशत की गिरावट का अनुमान है। समीक्षा में कहा गया है कि मानसून अच्छा रहने की वजह से चालू वित्त वर्ष में कृषि और संबद्ध क्षेत्रों की वृद्धि दर 11.7 प्रतिशत रहेगी। इसमें कहा गया है कि कृषि और संबद्ध क्षेत्रों पर महामारी का प्रभाव सबसे कम पड़ा है। समीक्षा कहती है कि सरकार ने भी कृषि क्षेत्र को कोविड-19 की वजह से लगाए गए लॉकडाउन से छूट दी थी। कृषि सामान के परिवहन एवं वितरण के विभिन्न उपायों, उपज के परिवहन एवं बिक्री के उपायों, लाइसेंसों के ऑनलाइन नवीकरण, राज्य के विभिन्न विभागों के बीच संयोजन, आधुनिक प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल से कृषि क्षेत्र को फायदा हुआ है। चालू वित्त वर्ष में विनिर्माण और निर्माण क्षेत्र महामारी से सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं। समीक्षा में 2020-21 में विनिर्माण क्षेत्र में 11.8 प्रतिशत तथा निर्माण क्षेत्र में 14.6 प्रतिशत की गिरावट का अनुमान लगाया गया है। इससे उद्योग क्षेत्र में 11.3 प्रतिशत की गिरावट आने का अनुमान है।

दुनिया में वैक्सीन की समान आपूर्ति को आगे आए यूपीएस हैल्थकेयर एवं यूपीएस फाउंडेशन

नई दिल्ली।

यूपीएस फाउंडेशन एवं यूपीएस हैल्थकेयर कोविड-19 वैक्सीन की सतत वैश्विक आपूर्ति एवं एक समान वितरण की सुविधा देने के लिए तीव्रता से काम कर रहे हैं। कोवैक्स, गवि, द वैक्सीन अलायंस एवं केयर के सहयोग से यूपीएस प्रारंभ में उन देशों को 2 करोड़ खुराक के वितरण की सुविधा देगा, जहां वैक्सीन पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं है। यूपीएस इंटरनेशनल के प्रेसिडेंट, स्कॉट प्राईस ने कहा, यह हमारी जवाबदेही है कि हम दुनिया में कोविड-19 वैक्सीन के एक समान वितरण की सुविधा दें। यूपीएस वैश्विक पब्लिक-प्राईवेट पार्टनरशिप्स के नेटवर्क में सक्रिय कार्य को प्रेरित कर रहा है, ताकि वैक्सीन ज्यादा प्रभावशाली एवं एक समान रूप से पहुंचाई जा सकें। हम उन देशों पर केंद्रित हैं, जहां संसाधन सीमित होने के साथ आपूर्ति सीरीज एवं बुनियादी ढांचा अपर्याप्त है। हमारा लक्ष्य सहज और प्रतिबद्धता अटल है। जो है सबसे अनमोल, उसे करीब ला रहा है, जहां को आगे बढ़ा रहा है। लेटेस्ट ग्लोबल वैक्सीनेशन की दर लगभग 60 लाख खुराक प्रतिदिन है। अनेक अध्ययनों के अनुसार, इस दर से चले तो दुनिया की 75 प्रतिशत जनसंख्या को वैक्सीन की दो खुराक देने में अनुमानित 5.4 साल का समय लगेगा। वैश्विक चुनौतियों, जैसे महामारी और इससे लड़ने के लिए वैक्सीन की आवश्यक उपलब्धता प्रदान करने के लिए वैश्विक समाधानों के निर्माण में पब्लिक प्राईवेट पार्टनरशिप्स एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। यूपीएस इसके लिए गठबंधनों का निर्माण करेगा क्योंकि वैश्विक सफलता सही गठबंधन करने और उनके विकास पर निर्भर होती है। इन प्रयासों को स्थापित करने और विकसित करने के लिए यूपीएस हैल्थकेयर एवं द यूपीएस फाउंडेशन, यूपीएस कोल्ड-चेन टेक्नॉलॉजी का इस्तेमाल करने वाले परिवहन के समाधान उपलब्ध कराएंगे। इसके अलावा बदलते वातावरण में एवं सही तापमान पर वैक्सीन की खुराक की उपयोगिता बनाए रखने के लिए जरूरी अल्ट्रा-लो टैंपरेचर फ्रीजर के दान की व्यवस्था करेंगे। साथ ही साथ वे लॉजिस्टिक्स की विशेषज्ञता एवं स्ट्रीमलाईंड डिलीवरी के प्रबंधन के लिए वैक्सीन निर्माताओं और एनजीओ पार्टनर्स से सामंजस्य स्थापित करने के लिए यूपीएस से एक्जिक्यूटिव्स बुलाकर भेजे जाएंगे।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मार्शल के गोल से चर्चिल ब्रदर्स ने रीयल कश्मीर को 2-1 से हराया

कोलकाता :

चर्चिल ब्रदर्स ने फ्रेडसन मार्शल के इंजुरी टाइम में किये गये गोल से शुक्रवार को यहां आई लीग फुटबॉल प्रतियोगिता के मैच में रीयल कश्मीर एफसी पर 2-1 से जीत दर्ज की। चर्चिल ब्रदर्स ने लुका माजेसिन के पहले हॉफ (45+1 मिनट) में किये गये गोल से बढ़त बना ली थी। लेकिन रीयल कश्मीर ने लुकमान एडेफेमी के 67वें मिनट में किये गये गोल से बराबरी हासिल की और 90 मिनट तक दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर थी। पर मार्शल के इंजुरी टाइम (90+4वें मिनट) में किये गये गोल ने चर्चिल ब्रदर्स को पूरे अंक दिला दिये।

आईएसएल-7 (सेमीफाइनल-2, फर्स्ट लेग) : नॉर्थईस्ट युनाइटेड के सामने एटीकेएमबी की चुनौती

बोम्बोलिम (गोवा)।

हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के सातवें सीजन में नॉर्थईस्ट युनाइटेड एफसी की कहानी अलग रही है। सभी मुश्किलों को धता बता करते हुए उन्होंने अपने उन आलोचकों को चुप करा दिया है, जिन्होंने सीजन के बीच में उनकी प्रदर्शन की आलोचना की थी। खालिद जमील के आने के बाद से टीम ने बेहद शानदार प्रदर्शन किया है और दूसरी बार आईएसएल के प्लेआफ में पहुंची है। जमील के मार्गदर्शन में हाईलैंडर्स के नाम से मशहूर नॉर्थईस्ट युनाइटेड पिछले नौ मैचों से अजेय है, जिसमें से उसने छह जीते हैं और तीन ड्रॉ खेले हैं। इसी लय को जारी रखते हुए टीम को अब सातवें सीजन के दूसरे सेमीफाइनल के पहले लेग में शनिवार को यहां बोम्बोलिम के जीएमसी स्टेडियम में मौजूदा चैम्पियन एटीके मोहन बागान से भिड़ना है।कोच जमील ने कहा है कि अब तक के प्रदर्शन का सारा श्रेय उनके खिलाड़ियों को जाता है। जमील ने कहा, सभी खिलाड़ियों ने कड़ी मेहनत की है। उनकी वजह से हम यहां तक पहुंचे हैं। मैं कभी भी नौ मैचों के बारे में नहीं सोचता। यह पहले मैच से ही सही है। लड़कों ने कड़ी मेहनत की है और मुझे उनके कोच होने पर बहुत गर्व है। जब भी हाईलैंडर्स ने बढ़त हासिल की है, तो उसे हराना असंभव रहा है। टीम ने इस सीजन में 13 बार पहले लीड ली है, जिसमें से उसने आठ बार जीत हासिल की है जबकि बाकी मैचों में उसे अंक बांटना पड़ा है। एटीके मोहन बागान की भी यही कहानी रही है। एटीकेएमबी ने 14 बार पहले लीड ली है और उसमें से उसने 12 जीते हैं जबकि दो ड्रॉ रहा है। जमील पहले लीड लेने के महत्व से अवगत हैं। उन्होंने कहा, हम एक अच्छी टीम के खिलाफ खेलने जा रहे हैं। एटीके मोहन बागान एक अच्छी टीम हैं। उनका डिफेंस और अटैकिंग भी मजबूत है। हमें बहुत सावधान रहना होगा क्योंकि पहला मैच बहुत महत्वपूर्ण है। यह लीग का सबसे मुश्किल मैच होगा। इसलिए हमें अच्छी तैयारी करनी होगी और हमें मजबूत होना होगा। हालांकि आईएसएल सेमीफाइनल के पहले लेग में उनका रिकॉर्ड अच्छा नहीं रहा है। बागान के कोच एंटोनियो हबास ने आईएसएल सेमीफाइनल के पहले लेग में तीन मैचों में से दो हारे हैं जबकि एक ड्रॉ रहा है। जमील ने कहा, यह एक फायदा है, लेकिन हम कल के बारे में सोच रहे हैं। यह हमारा पहला मैच है, जिसमें हमें सावधान रहना होगा।

कतर ओपन : सानिया मिर्जा और आंद्रेजा क्लेपेक की जोड़ी सेमीफाइनल में हारी

दोहा ।

एक साल से अधिक समय बाद पहले टूर्नामेंट में हिस्सा ले रही भारत की स्टार टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा और उनकी स्लोवेनिया की जोड़ीदार आंद्रेजा क्लेपेक को गुरुवार को यहां कतर टोटल ओपन के महिला युगल सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा। सानिया और स्लोवेनिया की उनकी जोड़ीदार को अमेरिकी की निकोल मेलिशर और नीदरलैंड की डेमी शुर्स के खिलाफ एक घंटे और 28 मिनट में 5-7 6-2 5-10 से हार झेलनी पड़ी। सानिया हाल में कोविड-19 से उबरने के बाद टूर पर वापसी कर रही हैं। पिछले साल फरवरी के बाद यह भारतीय खिलाड़ी का पहला टूर्नामेंट था और उन्होंने आंद्रेजा के साथ मिलकर दुनिया की 11वें और 12वें नंबर की खिलाड़ी को कड़ी चुनौती दी। सानिया और आंद्रेजा को इस प्रदर्शन से कुल 10 हजार डॉलर की इनामी राशि और प्रत्येक को 185 रैंकिंग अंक मिले। सानिया की रैंकिंग में इन अंकों से सुधार होगा। सानिया के शीर्ष 200 में जगह बनाने की उम्मीद है। वह मौजूद 254 से 177वें पायदान पर पहुंच सकती हैं।

अदिति अशोक ने इवन पार से की शुरुआत, संयुक्त 41वें स्थान पर

ओकाला (अमेरिका)

भारतीय गोल्फर अदिति अशोक ने पहले दौर में इवन पार 72 का कार्ड खेला जिससे वह एलपीजीए ड्राइव ऑन चैंपियनशिप में संयुक्त 41वें नंबर पर हैं। अदिति ने दूसरे और 12वें होल में बर्डी बनाई लेकिन इस बीच पांचवें और 18वें होल में बोगी कर बैठी। वह शीर्ष पर काबिज नेली कोर्डा से पांच शॉट पीछे है। अदिति पिछले सप्ताह गेनब्रिज एलपीजीए में संयुक्त 48वें स्थान पर रही थी। कोर्डा ने पांच अंडर 67 का कार्ड खेला और इस बीच एक भी बोगी नहीं की। यह 2021 में लगातार नौवां दौर है जबकि उन्होंने अंडर पार का स्कोर बनाया। पिछले सप्ताह उन्होंने एलपीजीए में अपना चौथा खिताब जीता था। कोर्डा के अलावा एनसीएए चैंपियन जेनिफर कोपचो और आस्टिन अर्नस्टने भी 67 का कार्ड खेला और वे संयुक्त शीर्ष पर हैं।

स्टार एथलीट नीरज चोपड़ा ने इंडियन ग्रां प्री में अपना ही नेशनल रिकार्ड तोड़ा

पटियाला ।

ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुके स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने शुक्रवार को यहां तीसरी इंडियन ग्रां प्री (आईजीपी) में शानदार वापसी करते हुए 88.07 मीटर के थ्रो से अपना ही राष्ट्रीय रिकार्ड तोड़ दिया। कोविड-19 महामारी के कारण एक साल से ज्यादा समय बाद पहली बार प्रतियोगिता में भाग लेने वाले चोपड़ा ने पांचवें प्रयास में 88.07 मीटर दूर भाला फेंका और 2018 एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक दिलाने वाले 88.06 मीटर के राष्ट्रीय रिकार्ड को तोड़ दिया। चौबीस साल के चोपड़ा ने दो फाउल थ्रो के बाद 83.03 मीटर से शुरूआत की। चौथे थ्रो में उन्होंने भाला 83.36 मीटर दूर फेंका और एनआईएस पटियाला में दर्शकों के चीयर्स के बीच पांचवें प्रयास में रिकार्ड तोड़ा। अंतिम थ्रो 82.24 मीटर का रहा। राष्ट्रमंडल खेल 2018 में स्वर्ण पदक जीतने वाले चोपड़ा ने कहा, 'मैं तैयार था और आज हवा चल रही थी। मैंने अपने पसंदीदा भाले का इस्तेमाल किया जिससे मुझे मदद मिली। महामारी ने ट्रेनिंग और तैयारियों को प्रभावित किया था लेकिन हम इससे निपटने में सफल रहे।' उन्होंने कहा, 'विश्व स्तर पर मुझे इससे भी बेहतर प्रदर्शन करना होगा क्योंकि दुनिया भर में मौजूदा स्तर इससे भी ज्यादा ऊंचा है।' चोपड़ा ने पिछले साल जनवरी में दक्षिण अफ्रीका में एक प्रतियोगिता के दौरान आगामी तोक्यो ओलंपिक के लिये क्वालीफाई किया था। शुक्रवार से पहले यह उनका अंतिम टूर्नामेंट था। वह ग्रां प्री में हरियाणा का प्रतिनिधित्व कर रहे थे, उन्होंने कहा कि वह 15 से 18 मार्च तक यहां होने वाली फेडरेशन कप राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में भी हिस्सा लेंगे। ओलंपिक के लिये क्वालीफाई कर चुके एक अन्य भाला फेंक एथलीट उत्तर प्रदेश के शिवपाल सिंह 81.63 मीटर के प्रयास से दूसरे स्थान जबकि हरियाणा का प्रतिनिधित्व कर रहे साहिल सिलवाल 80.68 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास से तीसरे स्थान पर रहे। पुरुष भाला फेंक में तोक्यो ओलंपिक का क्वालीफिकेशन मार्क 85 मीटर है।

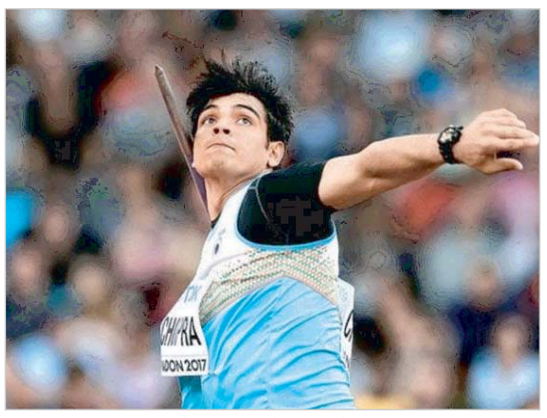

संक्षिप्त समाचार

विदित चैस टूर क्वाटर फाइनल - हर्षा नें किया उलटफेर रौनक को किया बाहर

नई दिल्ली (निकलेश जैन) चैम्पियन चैस टूर के इंडियन ओपन मे जगह बनाने के लिए भारत के युवा ग्रांड मास्टरों के बीच चल रही जोरदार टक्कर अब एक और पड़ाव पार कर अपने अंतिम पड़ाव की ओर पहुँच रही है और अब अंतिम 8 खिलाड़ियों के बीच क्वाटर फाइनल के मुक़ाबले खेले जाएँगे । प्री क्वाटर फाइनल मुक़ाबले मे सबसे बड़ा उलटफेर रहा खिताब के प्रबल दावेदार माने जा रहे रौनक साधवानी का हारकर टूर्नामेंट से बाहर होना उन्हे हर्षा भारतकोठी के हाथो 2-0 से पराजय का सामना करना पड़ा । अन्य परिणामो मे प्रग्गानंधा आर नें प्रणेश एम को 2-1 से ,अर्जुन एरिगासी नें अर्जुन कल्याण को 2-0 से , अरोण्यक घोष नें अभिजीत गुप्ता को 1.5-0.5 से , डी गुकेश नें विष्णु प्रसन्ना को 2-1 से ,एसएल नारायणन नें सम्मेद शेटे को 2-0 से ,विसाख एनआर नें दीसयान घोष को 2.5-1.5 से , और मित्रभा गुहा नें अभिमन्यु पौराणिक को 2-1 से पराजित किया । अब क्वाटर फाइनल मे नारायणन को विसाख से , गुकेश को मित्रभा से ,प्रग्गानंधा को अर्जुन से तो अरोण्यक को हर्षा से मुक़ाबला खेलना है । सभी के बीच रैपिड के दो मुक़ाबले होंगे और परिणाम ना आने पर टाईब्रेक खेला जाएगा ।

विकास कृष्णन यादव लंदन ओलम्पिक के पदक विजेता को हराकर सेमीफाइनल में

नई दिल्ली ।

भारतीय मुक्केबाज विकास कृष्णन यादव स्पेन के कास्टोलेन में चल रहे बॉक्सम अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट में 2012 लंदन ओलंपिक खेलों के कांस्य पदक विजेता विसेंजो मंगियाकैप्र को 69 किग्रा वर्ग में हराकर सेमीफाइनल में पहुंच गए। टोक्यो ओलंपिक में अपनी जगह बना चुके राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन विकास ने क्वार्टर फाइनल मुकाबले में इटली के मंगियाकैप्र को 3-2 से हरा कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। उनके अलावा भारत के अन्य पांच मुक्केबाजों ने अपने-अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में जीत दर्ज कर 35वें बॉक्सम अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में पुरुष श्रेणी में भारत के छह पदक पक्के किए।

- 2018 राष्ट्रमंडल खेलों के कांस्य पदक विजेता मोहम्मद हुसामुद्दीन ने 57 किग्रा श्रेणी में इटली के सिमोन स्पादा को 5-0 से हराया
- विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता मनीष कौशिक ने कजाकिस्तान के सैफुलीन जाकिर को 4-1 से हराया।
- 2019 एशियाई चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता आशीष कुमार (75 किग्रा) इटली के रेमो साल्वती को हराया।
- सुमित सांगवान (81 किग्रा) ने बेल्जियम के जियाद इल मोहर को 4-1 से हराया।
- सतीश कुमार (91 किग्रा) डेनमार्क के गिव्सकोव नीलसन को 5-0 से हरा कर सेमीफाइनल में पहुंचे।
- विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता अमित पंघल (52 किग्रा) गैब्रियल इस्कोबार और संजीत को इटली के मैटियो गिरोलामो से 2-3 से हार मिली।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने जर्मनी का दौरा हार से समाप्त किया

डुसेलडोर्फ । भारतीय महिला हॉकी टीम ने चौथा और अंतिम मैच 1-2 से गंवाने से जर्मनी के दौरे का समापन एक और हार से किया। दुनिया की तीसरे नंबर की जर्मनी की टीम के लिये नाओमी हेन (29वें) और चार्लोट स्टापेनहोर्स्ट (37वें) ने गोल दागे। भारतीय टीम के लिये एकमात्र गोल लालरेमसियामी ने 51वें मिनट में किया। यह भारत की चौथे मैच में चौथी हार थी। बारिश के कारण मैच शुरू होने में देरी हुई। जर्मनी ने शुरू में ही आक्रामकता बरती और 10वें मिनट में ही पेनल्टी कार्नर हासिल कर लिया। सविता और उनकी रक्षात्मक पंक्ति ने विपक्षी टीम को दूर ही रखा। भारत को भी एक मिनट बाद एक पेनल्टी कार्नर मिला। लेकिन जर्मनी के मजबूत डिफेंस ने भी भारत को सफलता हासिल नहीं करने दी। दूसरे क्वार्टर के खत्म होने में एक मिनट बचा था कि हेन ने शानदार मैदानी गोल से मेजबानों को बढ़त दिला दी। जर्मनी ने पहले हाफ के बाद कोशिश करना जारी रखा और उन्हें दूसरा पेनल्टी कार्नर मिला। भारत ने फिर अच्छे डिफेंस का नमूना पेश किया और जर्मनी के लगातार हमलों को रोका। लेकिन 37वें मिनट में स्टापेनहोर्स्ट ने स्कोर 2-0 कर दिया। भारतीय टीम ने चौथे क्वार्टर में प्रयास तेज कर दिए और लालरेमसियामी ने 51वें मिनट में गोल कर अंतर कम किया। जर्मनी ने अंत तक बढ़त कायम रखी और दौरे पर लगातार चौथी जीत हासिल की।

बांग्लादेश में क्रिकेट अकादमी खोल सकती है राजस्थान रॉयल्स, शेर-ए-बांग्ला स्टेडियम का किया मुआएना

राजस्थान रॉयल्स के चैयरमैन रंजीत बरठाकुर ने गुरुवार को कहा कि उनकी फ्रेंचाइजी बांग्लादेश में अकादमी खोलने पर विचार कर रही है। क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार, बरठाकुर राजस्थान रॉयल्स के कुछ अन्य सदस्यों के साथ ढाका के शेर-ए-बांग्ला स्टेडियम गए और उन्होंने वहां का ढांचा देखा। बरठाकुर ने कहा, हम बांग्लादेश में राजस्थान की अकादमी खोलना चाहते हैं। इस बारे में अंतिम फैसले पर विचार चल रहा है लेकिन हम इस बारे में ध्यान से विचार कर रहे हैं। हम अपने स्काउट्स को जमीनी स्तर पर क्रिकटरों की खोज करने के लिए भेजना चाहते हैं, ताकि वे अपने कौशल को तैयार कर सकें, जिससे राजस्थान और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) इन प्रतिभा और कौशल का उपयोग कर सके । उन्होंने कहा, मैं यहां देख रहा हूं कि क्रिकेट के लिए हमारे पास विनिमय कार्यक्रम कैसे हो सकते हैं। कोलकाता नाइट राइडर्स, चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस जैसी टीमों ने पिछले कुछ वर्षों में बांग्लादेश के खिलाड़ियों पर दांव लगाया है और हमारी नजर भी बांग्लादेश के खिलाड़ियों पर पड़ रही है। ये खिलाड़ी कठिन स्थिति में खेलते हैं। उन्होंने इसके साथ ही कहा कि वह मुस्ताफिजुर रहमान को राष्ट्रीय टीम के बदले आईपीएल में खेलने के लिए दबाव देने के पक्ष में नहीं हैं।

अनिर्बान लाहिड़ी 72 के स्कोर के साथ संयुक्त 43वें स्थान पर

ओरलैंडो (अमेरिका) :

भारतीय गोल्फर अनिर्बान लाहिड़ी यहां आर्नोल्ड पामर आमंत्रण प्रतियोगिता के पहले दौर में ईवन पार 72 के कार्ड के साथ संयुक्त 43वें स्थान पर है। रोरी मैक्लरॉय और कोरे कोन्नेर्स छह अंडर 66 के स्कोर के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर है। यूएस ओपन के मौजूदा चैम्पियन ब्रायसन डेचेम्ब्यू उनसे एक शॉट पीछे तीसरे स्थान पर है। हीरो इंडियन ओपन 2015 के बाद से खिताब जीतने में नाकाम रहे लाहिड़ी ने चौथे होल में बर्डी बनायी लेकिन छठे होल में वह बोगी कर बैठे। उन्होंने इसके अलावा सभी होल में पार कार्ड खेला।

अहमदाबाद टेस्ट : पंत और सुंदर ने भारत को मजबूत स्थिति में पहुंचाया

अहमदाबाद।

विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत (101) के करियर के तीसरे शतक और वॉशिंगटन सुंदर (नाबाद 60) के बेहतरीन अर्धशतक की बदौलत भारतीय क्रिकेट टीम ने यहां नरेंद्र मोदी स्टेडियम में इंग्लैंड के साथ जारी चौथे टेस्ट मैच के दूसरे दिन शुक्रवार को सात विकेट पर 294 रनों के स्कोर के साथ अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 202 रन बनाए थे। इस लिहाज से भारत को 89 रनों की लीड मिल चुकी है। स्टम्प्स तक सुंदर ने 117 गेंदों का सामना कर आठ चौके लगाए थे जबकि अक्षर पटेल 11 रन बनाकर उनका साथ दे रहे थे। पंत ने इससे पहले 118 गेंदों पर तीन चौकों और दो छक्कों की मदद से एक बेहतरीन पारी खेल भारत को मुश्किल से निकाला। एक समय भारत 146 रनों पर ही छह विकेट गंवा चुका था। भारत ने रविचंद्रन अश्विन (13) के रूप में 146 के कुल योग पर अपना छठा विकेट गंवाया था। पंत उस समय पैर जमा रहे थे और सुंदर के आने के बाद उन्हें बल मिला। पंत ने इस बल का उपयोग एक बड़ी पारी खेलने के लिए किया और भारत को मुश्किल से निकालकर अच्छी स्थिति में ला दिया। पंत का विकेट 259 के कुल योग पर गिरा। इसके बाद सुंदर और पटेल ने कोई और नुकसान नहीं होने दिया। पटेल ने 34 गेंदों का सामना कर दो चौके लगाए हैं। इससे पहले, भारत ने दूसरे दिन एक विकेट पर 24 रन से आगे खेलना शुरु किया। लेकिन लीच ने चेतेश्वर पुजारा को पगबाधा आउट कर भारत को दूसरा झटका दिया। पुजारा ने 66 गेंदों पर 17 रन में एक चौका लगाया। इसके तुरंत बाद ही बेन स्टोक्स ने भारतीय कप्तान विराट कोहली को खाता खोले बिना बेन फोक्स के हाथों कैच कराकर आउट किया। कोहली के आउट होने के बाद रोहित ने अजिंक्य रहाणे के साथ पारी को आगे बढ़ाया लेकिन लंच ब्रेक से ठीक पहले एंडरसन ने रहाणे को स्टोक्स के हाथों आउट कराकर भारत को चौथा झटका दिया। रहाणे ने 45 गेंदों पर चार चौकों की मदद से 27 रन बनाए। दूसरे सत्र में रोहित ने विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के साथ भारतीय पारी को गति देने की कोशिश की। रोहित अच्छा खेल रहे थे लेकिन तभी स्टोक्स ने पगबाधा आउट कर रोहित की पारी का अंत कर दिया। रोहित ने 144 गेंदों पर सात चौकों की मदद से 49 रन बनाए और वह अर्धशतक बनाने से चूक गए। रोहित के आउट होने बाद पंत और रविचंद्रन अश्विन ने सधी हुई बल्लेबाजी कर टीम को मुसीबत से निकालने की कोशिश की। अश्विन हालांकि लीच की गेंद पर ओली पोप को आसान सा कैच थमाकर पवेलियन लौट गए।

दूसरे टी-20 में इंग्लैंड महिला टीम ने न्यूजीलैंड को 6 विकेट हराया

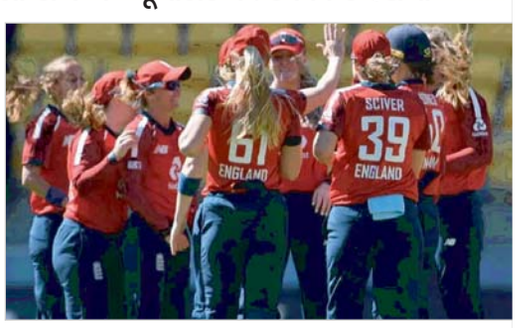

वेलिंगटन, सलामी बल्लेबाज टैमी ब्यूमोंट (63) के अर्धशतक तथा फ्रेया डेविस (4/23) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत इंग्लैंड महिला टीम ने यहां वेस्टपैक स्टेडियम में खेले गए दूसरे टी20 मुकाबले में शुक्रवार को न्यूजीलैंड की महिला टीम को छह विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। न्यूजीलैंड की टीम ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में नौ विकेट पर 123 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की टीम ने 17.2 ओवर में चार विकेट पर 124 रन बनाकर मैच जीत लिया। न्यूजीलैंड की तरफ से एमी सैथरवेट ने 30 गेंदों पर सात चौकों की मदद से सर्वाधिक 49 और एमेलिया केर ने 22 गेंदों पर तीन चौके के सहारे 25 रन बनाए जबकि ब्रूक हालीडे 16 रन बनाकर नाबाद रहीं। इंग्लैंड की ओर से डेविस के अलावा साराह ग्लेन ने दो विकेट, नताली स्काइवर ने दो विकेट और सोफी एक्लेस्टोन ने एक विकेट लिया। इंग्लैंड की पारी में ब्यूमोंट ने 53 गेंदों पर सात चौकों और एक छक्के की मदद से 63 रन बनाए। ब्यूमोंट का पांच पारियों में यह चौथा अर्धशतक था। उनके अलावा कप्तान हीथर नाइट ने 39 रन बनाए। न्यूजीलैंड की ओर से रोजमैरी मायेर ने दो विकेट, लीग कासपेरक ने एक और हेली जेंसन ने एक विकेट लिया।

फिल्म आदिपुरुष के लिए बाहुबली प्रभास ने बदला अपना लुक!

सिनेमा के बाहुबली प्रभास ने सोशल मीडिया पर फिल्म जाठी रत्नालू का ट्रेलर लॉन्च किया। इसके साथ ही वो ट्रेलर पर अपने विचार भी शेयर कर रहे हैं। अनुदीप के निर्देशन में बनी इस फिल्म में नवीन पोलीशेट्टी, प्रियदर्शी और फारिया अब्दुल्ला हैं। ट्रेलर से पहले निर्माताओं ने एक वीडियो जारी किया जिसमें मुंबई में प्रभास के साथ फिल्म की टीम को देखा जा सकता है। वीडियो में प्रभास एक ट्विस्टेड मूंछ के साथ एक नया लुक देते नजर आ रहे हैं।

नवीन पोलीशेट्टी, प्रियदर्शी, फारिया अब्दुल्ला और निर्देशक अनुदीप अपनी फिल्म जाठी रत्नालू के लॉन्च के लिए हैदराबाद से मुंबई तक गए थे। मजेदार वीडियो में टीम को मुंबई में उतरते हुए दिखाया गया है और बाहुबली अभिनेता प्रभास से मिलने से पहले वे कैसा महसूस कर रहे हैं, उसके बारे में बताया गया है। वीडियो साझा करते हुए नवीन पोलीशेट्टी ने लिखा, 'प्रभास गारू। डार्लिंग्स स्पेशल मी कोसम द्वारा #JathiRatnaluTrailer लांच वीडियो। वीडियो के वायरल होने के तुरंत बाद, प्रभास के प्रशंसक उनके नए रूप के बारे में चर्चा करने लगे। वीडियो में प्रभास को बेज टी-शर्ट और सफेद पैंट पहने देखा जा सकता है। सबका ध्यान आकर्षित करने वाली फिल्म साहो के अभिनेता की मूँछें और पतले शरीर को देखकर सब फैंस जानना चाहते हैं कि ये लुक आखिर क्यों? प्रभास के कई प्रशंसकों ने उनके नए लुक में अभिनेता के कुछ स्क्रीनशॉट को साझा करने के लिए ट्विटर का सहारा लिया। कथित तौर पर, प्रभास इस लुक को ओम राउत के आदिपुरुष के लिए तैयार कर रहे हैं।

अभिषेक बच्चन ने फिल्म दसवीं से शेयर की अपने किरदार की तस्वीर, नेता जी का दिखा स्वैग

अभिषेक बच्चन, जो वर्तमान में अपनी अगली फिल्म 'दसवीं' की शूटिंग कर रहे हैं, ने फिल्म से एक नयी तस्वीर साझा करने के लिए 4 मार्च को सोशल मीडिया पर कदम रखा। इस तस्वीर में जूनियर बच्चन को कुर्ता-पायजामा, एक नेहरू जैकेट सिर पर पगड़ी और मैचिंग जूट में - रीजनल कपड़े पहने देखा जा सकता है। और गंगा राम चौधरी के रूप में एबी का स्वैग भी उन पर दिखाई दे रहा है।

अभिषेक बच्चन फिल्म दासवीं में गंगा राम चौधरी के रूप में नजर आएंगे। टीम दासवीं ने 22 फरवरी को फिल्म की शूटिंग शुरू की। दासवीं की शूटिंग के 10 दिनों के बाद, अभिषेक ने फिल्म से अपनी ये तस्वीर साझा की और उसके कैप्शन में लिखा 'दासवी का दस दिन (दसवी का दिन)।' तस्वीर में अभिषेक बच्चन पालकी जैसी कुर्सी पर बैठे दिखाई दे रहे हैं और कई लोग उन्हें अपने कंधों पर उठाए हुए हैं। हर कोई खुश मूड में लग रहा है, लेकिन अभिषेक बच्चन का स्वैग कमान लग रहा है। अभिषेक बच्चन की दासवीं में यामी गौतम और निमरत कौर भी हैं। फिल्म की शूटिंग ठीक 10 दिन पहले शुरू हुई थी। फिल्म की घोषणा के साथ, निर्माताओं ने अभिनेताओं का फर्स्ट-लुक पोस्टर भी जारी किया था। तीनों कलाकारों ने फिल्म में अपने किरदारों के नाम भी बताए। दसवीं का निर्माण दिनेश विजान की मैडॉक फिल्म्स और जियो स्टूडियो द्वारा किया गया है।

जहान्वी कपूर के 'नदियो पार' गाने से इंटरनेट पर लगाई आग!

हाल ही में राज कुमार राव, जहान्वी कपूर और वरुण शर्मा की फिल्म रूही का नाया गाना 'नदियो पार' रिलीज हुआ है। पूरा गाना जहान्वी कपूर परल फिल्माया गया है। गाने में जहान्वी कपूर जबरदस्त डांस करते हुए नजर आ रही हैं। जहान्वी कपूर ने गाने में गोल्डन कलर की वन साइड ऑफ शॉल्डर ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वह कमाल की लग रही है। साथ ही उनके डांस के स्टेप को भी दर्शकों द्वारा काफी पसंद किया जा रहा हैं। गाने को रिलीज हुए तीन दिन हो चुके हैं लेकिन ये गाना ट्रेंडिंग से उतरने का नाम नहीं ले रहा है। गाने को यूट्यूब पर अब तक 27 मिलियन लोग देख चुके हैं। तीन दिन के अंतर 27 मिलियन व्यूज काफी अच्छा माना जा रहा है।

जहान्वी कपूर ने सोशस मीडिया पर गाने की अपनी ड्रेस पहने कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की है जिसमें वह बहुत ही खूबसूरत लग रही है। वे सुनहरे रंग के परिधान में बेहद खूबसूरत लग रही थीं। मुलायम लहरों में अपने बालों के साथ, उन्होंने स्मोकी आई मेकअप का विकल्प चुना। इसके अलावा जहान्वी कपूर अपनी कास्ट के साथ अपनी आने वाली फिल्म रूही के प्रमोशन में लगी है। वह पिछले काफी दिनों से फिल्म का प्रमोशन करने के लिए अलग-अलग स्थानों पर जा रही हैं। 4 मार्च को दिल्ली के क्नॉट प्लेस के पीवीआर प्लाजा में भी जहान्वी कपूर और वरुण शर्मा मीडिया से रुबरू हुए और अपनी फिल्म रुही का प्रमोशन किया। फिल्म रूही पहली ऐसी फिल्म है जो लॉकडाउन के बाद सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। फिल्म सो प्रतिशन सिनेमाघर खुलने के बाद 11 मार्च 2021 को रिलीज हो रही हैं।

जहान्वी कपूर जिन्हें आखिरी बार फिल्म गुंजन सक्सेना: द कारगिल गर्ल में देखा गया था। इस फिल्म में वह एयरफोर्स पायलट बनीं थी। जान्हवी की तरह बहन खुशी भी बड़े पर्दे पर कदम रखने के लिए तैयार हैं। खुशी के पिता बोनी कपूर ने हाल ही में पुष्टि की थी कि खुशी भी अभिनय के लिए उत्सुक हैं, और लोग जल्द ही एक घोषणा के बारे में सुनेंगे। बोनी कपूर मशहूर निर्माता हैं, उन्होंने स्पष्ट किया कि वह अपनी छोटी बेटी को बॉलीवुड में लॉन्च नहीं करेंगे। यह याद किया जा सकता है कि यहां तक कि जान्हवी और अर्जुन कपूर को उनके होम प्रोडक्शन द्वारा लॉन्च नहीं किया गया था।

आमिर खान ने नए गीत के लिए खुद डिजाइन किया अपना लुक

आमिर खान जल्द एक खास गीत में दिखाई देंगे, जिसके जल्द ही रिलीज होने की उमीद है। अभिनेता ने खुद इस गाने के लिए अपना लुक डिजाइन किया है। यही वजह है कि यह गीत सभी सही कारणों से स्पेशल है। आमिर ने कूल, कैजुअल हिप्स्टर वाइब के साथ एक लुक डिजाइन किया है और वास्तव में इसकी शूटिंग के दौरान बहुत एन्जॉय किया गया है। उन्होंने इस गाने की शूटिंग के लिए जयपुर जाने के लिए अपनी फिल्म लाल सिंह चड्ढा के शेड्यूल से एक छोटा सा ब्रेक लिया था। अभिनेता ने अमीन हाजी की मदद करने के लिए ऐसा किया जो उनके एक बहुत करीबी दोस्त है और अमीन इस गाने के साथ निर्देशन की दुनिया में अपना डेब्यू कर रहे हैं। अभिनेता के एक करीबी सूत्र ने साझा किया, ''आमिर को अपने हर प्रोजक्टे में अपना खुद का एलिमेंट जोड़ने के लिए जाना जाता है। जब उन्होंने गाने का प्लॉट पॉइंट और उद्देश्य समझा, तो उन्होंने खुद इस चिल-कैजुअल, हिप्स्टर लुक का सुझाव दिया, जो स्टैंडआउट करेगा।'' सूत्र ने आगे कहा, ''उन्होंने उसी को रिफाइन किया और अपने दोस्तनिर्देशक अमीन हाजी के साथ इस पर चर्चा की। अमीन हाजी ने इसके लिए अभिनेता और उनकी परफेशनिस्ट विजन पर पूरी तरह से भरोसा किया और बिना किसी दो राय के इसके लिए हामी भर दी।'' आमिर इस गाने में एली अवराम के साथ नजर आएंगे। इस गाने की शूटिंग के दौरान क्रू ने भी खूब आनंद लिया। उमीद है कि यह गाना जल्द ही रिलीज होगी। इस गाने में सुपर चिल्ड आउट लुक में आमिर को देखना नायाब चीज होगी। आमिर की आने वाली फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' वर्ष की सबसे प्रतीक्षित फिल्म है और अभिनेता अब अपना सारा ध्यान इस पर लगा रहे हैं, ताकि इसे दर्शकों के लिए समय पर तैयार किया जा सके।

राखी सावंत का खुलासा, जावेद अतर बनाना चाहते हैं उनकी बायोपिक

ड्रामा क्वीन राखी सावंत ने 'बिग बॉस 14' के घर में दर्शकों का खूब एंटरटेन किया। इस शो में बतौर चैलेंजर हिस्सा लेने के बाद राखी शो की टॉप फाइनलिस्ट में से एक बनकर उभरीं। इस बीच राखी सावंत को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है। पिछले काफी समय से चर्चा है कि राखी सावंत के जीवन पर फिल्म बनने वाली है। हाल ही में जब राखी सावंत से इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने एक बड़ा खुलासा किया। राखी ने कहा, मेरे पास मशहूर गीतकार जावेद अख्तर जी का फोन आया था। हम फ्लाइट में बैठे थे। वह मेरे जीवन पर फिल्म बनाना चाहते हैं। राखी ने एक इंटरव्यू के दौरान अपनी बायोपिक पर कहा, यह करीब एक साल पुरानी बात है। मेरे पास जावेद अख्तर जी का फोन आया था। जावेद जी ने कहा कि मैं तुम्हारी बायोपिक लिखना चाहता हूं तो मुझसे मिलो, लेकिन उस दिन के बाद मैं उनसे मिली ही नहीं। वह चाहते हैं कि मुझ पर बायोपिक बने।

फिल्मों में अलग-अलग भूमिकाएं निभाने पर शेफाली शाह बोलीं-

मैं बहुत लालची हूं...

पॉवरहाउस कलाकार शेफाली शाह की फिल्मों के दिलचस्प लाइनअप में एक ओर नाम शामिल हो गया है जिसका शीर्षक 'डार्लिंग्स' है। साथ ही, अभिनेत्री दिल्ली क्राइम 2 और विपुल शाह की 'ह्यूमन' पर भी काम कर रही हैं। अपनी उच्च उत्तेजना को व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा, सुपर सुपर एक्साइटेड और इस वर्ष मैं जो भी काम कर रही हूं, उसके लिए रोमांचित हूं। यह उस तरह का काम है जिसका मैंने इतने लंबे समय से इंतजार किया है। ह्यूमन, डार्लिंग्स, दिल्ली क्राइम 2 और इत्यादि ये सब सभी शानदार स्क्रिप्ट और भूमिकाएं और अविश्वसनीय निर्माताओं और प्रतिभा के साथ काम करने का अवसर रहा है। यह एक दावत की तरह है। शेफाली ने आगे यह भी साझा किया, मैं एक ही प्रकार की भूमिकाओं के लिए पूछकर या उसका इंतज़ार करके खुद को सीमित नहीं करना चाहती। मैं एक अभिनेता के रूप में लालची हूं। और जो भी भूमिका मुझे उत्साहित करती है, वह मुझे सरप्राइज और चुनौतियां देती है। चाहे वह एक एलियन, जूलियट या सोफा हो। शेफाली शाह अपने काम के प्रति वह जोश दिखाती है, वह किसी से अपरिचित नहीं है, उनका काम व्यवसाय में सर्वश्रेष्ठ है। वह जो भी किरदार निभाती है, वह यह सुनिश्चित करती है कि यह सबसे बेस्ट हो। यही वजह है कि सीरीज़ दिल्ली क्राइम 2019 की सबसे बड़ी थी। और अब, उनकी सभी आगामी परियोजनाएँ कुछ बहुप्रतीक्षित और प्रत्याशित हैं, जिसका दर्शकों को बेसब्री से इंतज़ार है। वर्क फ्रंट की बात करें तो शेफाली शाह डार्लिंग्स में नज़र आएंगी जहां वह आलिया भट्ट और विजय वर्मा के साथ स्क्रीन स्पेस साझा कर रही हैं। साथ ही विपुल शाह की 'ह्यूमन' और 'दिल्ली क्राइम 2' एक बहुचर्चित वेब शो दिल्ली क्राइम के दूसरा भाग के साथ भी दर्शकों का मनोरंजन करते हुए दिखाई देंगी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

फायदे की फसल बना ग्वारपाठा

ग्वारपाठा या घीग्वार जो मूल रूप से जंगलों में अपने आप उगता पाया जाता है, अब व्यवस्थित रूप से खेतों में उगाया जाने लगा है। इसका उपयोग भारतीय आयुर्वेद एवं यूनानी शफाओं में पाचन संस्थान विशेष रूप से लीवर या जिगर संबंधी कमजोरी और व्याधियों को ठीक करने के अलावा चर्मरोगों व जलने एवं झुलसने के कारण त्वचा की खराबी को दूर करने तथा सौंदर्य प्रसाधनों में भी उपयोगी माना गया है। इसलिए अब लोगों का ध्यान इसकी व्यावसायिक खेती की ओर आकृष्ट हो रहा है।

बदलते परिवेश में जड़ीबूटियों पर आधारित दवाओं की मांग बढ़ी है जिसमें कई तरह की दवाएं व चेहरे पर लगाने वाली कई तरह की क्रीमें बाजार में आई हैं। आज के युग में कॉस्मेटिक हो या हर्बल से संबंधित दवाईयां लगभग सभी में ग्वारपाठा इस्तेमाल हो रहा है जिससे इसकी मांग लगातार बढ़ रही है। इसकी फसल के लिए हल्की से मध्यम किस्म की दुमटए बलुई दुमटए कछारी एलूवियल मिट्टी वाले खेत ही चुनें। भारी और चिकनी मिट्टी में बरसात में पानी भरा रहने पर फसल खराब हो सकती है। खेत बखरने के बाद पाटा अथवा पठार चलाकर खेत को समतल करें। इसी समय 200 से 250 क्विंटल गोबर की अच्छी तरह पची और पकी हुई फरमेंटेड खाद या शहरी कम्पोस्ट खाद खेत में जगह-जगह ढेरियाँ बनाकर समान रूप से बिखेर दें। इसके बाद दाँतेदार बखर 'स्पाइक टुथ हेरो' या दतारी चलाकर उसे मिट्टी के साथ अच्छी तरह मिला दें। यदि उपलब्ध हो तो एक बार रोढोवेटर चलाएँ।

बुवाई के लिए डेढ़ से दो फुट की दूरी पर नौ से बारह इंच ऊँची मेढ़ व नालियाँ बनाएँ। शिशु पौधों को एक फुट की दूरी पर लगाया जाता है। लगभग 22 हजार पौधे एक एकड़ के लिए चाहिए। भारी व उपजाऊ मिट्टी में इन्हें कतार में दो फुट व पौधों के बीच डेढ़ फुट की दूरी पर लगाया जाना चाहिए। इस अंतर पर प्रति एकड़ लगभग 15 हजार पौधों की जरूरत होती है।

बोवनी के तत्काल बाद एक हल्की सिंचाई कर 20.25 दिन बाद 25 किलोग्राम यूरियाए 50 किग्रा सुपर फास्फेट व 30 किग्रा म्यूरेट ऑफ पोटाश मिलाकर नालियों में डालकर गुड़ाई कर हल्की सिंचाई कर दें। खरपतवारों को निकालने व पौधों के जड़ क्षेत्र में वायु का संचार के लिए आवश्यकतानुसार निंदाई व गुड़ाई करते रहें। जड़ें खुली दिखें तो उन पर मिट्टी चढ़ाते रहें।

ग्वारपाठा के पौधों को अधिक पानी की आवश्यकता नहीं होती हैए परंतु खेत में हल्की नमी बनी रहे व दरारें नहीं पड़ना चाहिए। इससे पत्तों का लुबाब सूख कर सिकुड़ जाते हैं। बरसात के मौसम में संभालना ज्यादा जरूरी होता है। खेत में पानी भर जाए तो निकालने का तत्काल प्रबंध करें। लगातार पानी भरा रहने पर इनके तने, पत्ते और जड़ के मिलान स्थल पर काला चिकना पदार्थ जमकर गलना शुरू हो जाता है।

खुश्क मौसम में इनका विकास अच्छा होता है। पौधे को पूर्ण विकसित होने में आठ से बारह महीने लग जाते हैं। इसके पौधे की पत्तियों के पूरी तरह बढ़ जाने पर तेजधार वाले चाकू से काट लिया जाता है। इसी पौधे से पुनः नई पत्तियाँ आने लगती हैं। जब नई पत्तियाँ आने लगेए उस समय 40 किग्रा नत्रजनए 30 किलो स्फुर व 20 किग्रा पोटाश प्रति एकड़ से हिसाब से नालियों की मिट्टी के साथ मिलाकर सिंचाई कर दें।

एक बार लगाने पर तीन से पाँच साल तक उपज ली जा सकती है। पत्तियों को काटने के बाद दोनों तरफ से काँटे निकाल दें। इसके बाद पत्तों को खड़ा चीरकर बीच का लसीला गूदा अलग बर्तन में एकत्र कर लें। इसे धूप में सूखाकर या बिजली से चलने वाले यांत्रिक सुखावकों में रखकर सुखाया जाता है। यदि क्रीमए पेस्ट या आयुर्वेदिक द्रव या तरल उत्पाद बनाना हो तो इस लुबाब को ऐसे ही उपयोग में लाया जाता है। उस उत्पाद के अनुसार उसका प्रसंस्करण कर लिया जाता है।

यदि ग्वारपाठे के एक स्वस्थ पौधे से 400 ग्राम मिली गूदा भी निकले तो एक एकड़ के 20000 पौधों से 8000 किग्रा गूदा प्राप्त होगा। यदि इसका कम से कम बिक्री भाव 100 रु. प्रति किग्रा भी लगाया जाए तो आठ लाख रुपए होता है। ये सब अनुमानित आकलन है।

ग्वारपाठा कि उन्नत आर्गनिक जैविक खेती औषधीय पौधे

जलवायु

ग्वारपाठा उत्पादन के लिए उष्ण जलवायु कि आवश्यकता होती है ।

भूमि

यद्यपि ग्वारपाठा खेती असिंचित और सिंचित दोनों प्रकार कि मृदाओं में कि जाती है परन्तु इसकी सदैव असिंचित भूमि पर ही खेती कि जानी चाहिए इसकी खेती के लिए उचित जल निकास वाली भूमि होना चाहिए ।

भूमि कि तैयारी

इसकी जड़े बहुत गहरी नहीं जाती है अतरूइसके लिए बिशेष तैयारी कि आवश्यकता नहीं होती है देसी हल से या कल्टीवेटर से दो बार जुताई करने से काम चल जाता है प्रत्येक जुताई के उपरांत पाटा अवश्य लगाये ।

प्रजातियाँ

ग्वारपाठा कि कई प्रजातियाँ है जो मुख्यतरूअफ्रीका एअरब और भारत में पाई जाती है इसके प्राप्ति स्थल और देश के अनुसार इसकी कई प्रजातियाँ पहचानी गयी है जिनका संक्षिप्त उल्लेख आगे किया गया है।

एलोबेरा

यह ग्वारपाठा कि प्रमुख प्रजाति है जो सब जगह बिशेष रूप से मध्य प्रदेश एउत्तरप्रदेशएराजस्थान आदि प्रदेशो में प्रचुर मात्रा में पाई जाती है ।

एलो इंडिका

यह ग्वारपाठा कि छोटी प्रजाति है जो भारत में चेन्नई से रामेश्वरम तक पाई जाती है इसे छोटा ग्वारपाठा के नाम से भी जाना जाता है इसके पत्ते 15.17 .5 से.मी.6.7 इंच से 30 से.मी.1 फुट तक लम्बे होते है जिनके किनारे सामान्यतः दन्तुर होते है इसका उपयोग विशेषतः दाह बिबंध और ज्वर रोगों के लिए किया जाता है ।

एलो फिरोक्स

यह एक अफ्रीका कि प्रजाति है जो भारत में नहीं पाई जाती है यह सबसे ऊँची प्रजाति है इसके पौधे 270.300 से.मी.9.10 फिट तक ऊँचे बढ़ते है इसमे सफेद रंग के फुल खिलते है ।

एलो एबिसनिका

यह प्रजाति काठियावाड़ व खम्बात कि खाड़ियों में प्रचुर मात्रा में पाई जाती है इसके पत्ते अधिक चौड़े एवं पुष्प दंड अधिक लम्बे होते है जाफराबंदी एलुआ इस प्रजाति से प्राप्त किया जाता है ।

एलो रुपेसेंसा

यह प्रजाति लाल ग्वार पाठा के नाम से भी पहचानी जाती है यह बंगाल और सीमांत प्रदेश में पाई जाती है इस पर नारंगी और लाल रंग के पुष्प खिलते है इसके पत्तो का निचला भाग बैगनी रंग का होता है इसके गुदे को स्प्रिट में गलाकर लेप करने से बाल काले किये जाते है यह प्रजाति पाचक, किंचित उष्ण, उदर शूल मंदागिनी, अर्श बवाशिर आदि में बिशेष उपयोगी होते है पेट के कीड़े को मारने के लिए भी श्रेष्ठ है ।

जाफरावादी ग्वार पाठा

यह प्रजाति सौराष्ट्र के समुंद्र तट पर मिलती है इसके पत्ते तलवार नुमा स्वेत बिंदु युक्त होते है । उपरोक्त सभी प्रजातियों में अधिकतर एलोवेरा प्रजाति कि खेती कि जाती है ।

प्रवर्धन

ग्वार पाठा का प्रवर्धन धन कन्दो द्वारा किया जाता है इसके छोटे पौधे कि रोपाई जुलाई, अगस्त माह में कि जाती है वैसे इसे अक्तूबर तक रोपा जा सकता है धनकंदो के अलावा पुराने पौधे कि जड़ो के पास से ही कुछ छोटे पौधे निकलने लगते है वर्षा ऋतु में इन्ही पौधों को जड़ सहित निकाल कर बड़े खेतो में लगा दिया जाता है और इनका बिज रोपण सामग्री कहलाती है।

पौधों कि संख्या

ग्वार पाठा के एक एकड़ में कितने पौधे लगाये जाय यह एक अत्यंत महत्व पूर्ण प्रश्न है एक मीटर में इसकी दो पत्तियां लगाई जाती है और फिर एक मीटर खाली छोड़कर पुनरू एक मीटर में पक्तिंया लगेगी इस प्रकार ग्वार पाठा एक एकड़ में 14000 से 16000 तक पौधे लगगे प्रत्येक खंड के बाद एक मीटर जगह खरपतवार निकलने और पत्तियों कि कटाई के लिए रखते है ।

सिंचाई

यह वर्षा पर आधारित फसल है वर्षा न होने पर खेत कि हलकी सिंचाई करनी चाहिए।

खर पतवार

ग्वार पाठे के साथ अनेक खर पतवार पनपते है जो ग्वार पाठे के बिकास एवं बढ़वार पर प्रतिकूल प्रभाव डालते है अतरूइनकी रोकथाम के लिए आवश्यकता नुसार निराई-गुड़ाई करते रहना चाहिए ।

कटाई

ग्वार पाठा कि फसल 12 महीनो में कटाई के लिए तैयार कि जाती है अतरू हर 3 माह में प्रत्येक पौधे कि 3.4 पत्तियां को छोड़कर शेष सभी पत्तियों को काट लेना चाहिए पत्तियों कि कटाई तेज धार वाली दरांती से करनी चाहिए अन्यथा पौधे के उखड़ने का भय रहता है ।

उपज

ग्वार पाठा कि प्रति हेक्टेयर 20000 किलोग्राम तजा पत्तियां मिल जाती है जिनका बर्तमान बाजार भाव 2रुपये से 5 रुपये प्रति किलो ग्राम होता है इन हरी पत्तियों को आयूरबैदिक दवाइयां बनाने वाली कंपनियों और प्रसाधन सामग्री निर्माताओ को बेचा जा सकता है । मुसब्बर अथवा अलुवा सार बनाकर भी बेचा जा सकता है ।

ग्वार पाठा कि खेती के विशेष लाभ

ग्वारपाठा को बेकार पड़ी भूमि पर उगाया जा सकता है ऐसा करने से भूमि का सदुपयोग हो जाता है और किसान को अतिरिक्त आय भी प्राप्त हो जाता है इसकी खेती के लिए खाद एकीटनाशक फफूंदीनाशक आदि कि कोई आवश्यकता नहीं होती है ग्वार पाठा बहु वर्षीय पौधा है अतः एक बार लगाने पर कई वर्षो तक उपज मिलती रहती है इस पर एलुवा बनाने व सुखा पावडर बनाने वाले उद्योगों कि स्थापना कि जा सकती है ग्वार पाठा कि जेल और सूखे पावडर कि बिश्व बाजार में भारी मांग होने के कारण इससे विदेशी मुद्रा अर्जित कि जा सकती है ।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोरोना वायरस के नए स्वरूप पर कम प्रभावी हो सकता है कोविड-19 एंटीबॉडी, टीका : अध्ययन

वाशिंगटन,

कोरोना वायरस के नए स्वरूप पर किये गये एक अध्ययन के अनुसार कोविड-19 एंटीबॉडी पर आधारित औषधियां और अब तक विकसित टीके नए स्वरूप पर कम प्रभावी हो सकते हैं क्योंकि वायरस का नया स्वरूप बेहद तेजी से फैल रहा है। यह अध्ययन 'नेचर मेडिसिन' पत्रिका में प्रकाशित हुआ है। अध्ययन में कहा गया है कि तेजी से फैलते कोरोना वायरस के तीन नए स्वरूप वायरस के मूल स्वरूप पर काम करने वाले एंटीबॉडी पर बेअसर हो सकते हैं। सबसे पहले दक्षिण अफ्रीका में वायरस के नए स्वरूप का पता चला था, इसके बाद ब्रिटेन में और ब्राजील में वायरस का नया स्वरूप सामने आया था। अमेरिका के सेंट लुईस में वाशिंगटन यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन से अनुसंधानकर्ताओं समेत कई वैज्ञानिकों के अनुसार चीन के वुहान से आये मूल वायरस की तुलना में कोरोना वायरस के नए स्वरूप को बेअसर करने के लिए टीकाकरण या स्वाभाविक संक्रमण के बाद बने अधिक से अधिक एंटीबॉडी या दवा के रूप में इस्तेमाल के लिए तैयार किये गये शुद्ध एंटीबॉडी की आवश्यकता होती है।

अध्ययन के वरिष्ठ लेखक और वाशिंगटन यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन से माइकल एस डायमंड ने कहा, ''हमें चिंता इस बात की है कि जिन लोगों में हम समझते हैं कि कोविड-19 से संक्रमित होने या टीका लेने के कारण उनमें एंटीबॉडी का सुरक्षात्मक स्तर तैयार हो गया होगा, वे भी वायरस के नए स्वरूप से सुरक्षित नहीं हो सकते हैं।''

अनुसंधानकर्ता ने कहा कि टीकाकरण या स्वाभाविक संक्रमण से किसी व्यक्ति में अधिक से अधिक एंटीबॉडी कैसे तैयार होता है, इस बारे में कई मत हैं।

डायमंड ने कहा, ''कुछ लोगों में एंटीबॉडी निर्माण का स्तर बेहद उच्च होता है और ऐसे लोग नए स्वरूप के प्रति अधिक सुरक्षित हो सकते हैं।

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट, भारत में हर घर में एक आदमी सालभर में 50 KG खाना करता है बर्बाद

इंटरनेशनल डेस्क।

संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में कहा गया कि साल 2019 में एक अनुमान के मुताबिक दुनियाभर में 93 करोड़ 10 लाख टन खाद्यान्न बर्बाद हुआ और इसमें भारत में घरों में बर्बाद हुए भोजन की मात्रा छह करोड़ 87 लाख टन है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP) और साझेदार संगठन WRAP की ओर से जारी खाद्यान्न बर्बादी सूचकांक रिपोर्ट 2021 में कहा गया है कि 2019 में 93 करोड़ 10 लाख टन खाद्यान्न बर्बाद हुआ, जिसमें से 61 प्रतिशत खाद्यान्न घरों से, 26 प्रतिशत खाद्य सेवाओं और 13 प्रतिशत खुदरा क्षेत्र से बर्बाद हुआ। रिपोर्ट में कहा गया कि कि यह इशारा करता है कि कुल वैश्विक खाद्य उत्पादन का 17 प्रतिशत भाग बर्बाद हुआ होगा। एजेंसी ने कहा कि इसकी मात्रा 40 टन क्षमता वाले दो करोड़ 30 लाख पूरी तरह से भरे ट्रकों के बराबर होने का अनुमान है। भारत में घरों में बर्बाद होने वाले खाद्य पदार्थ की मात्रा प्रति वर्ष प्रति व्यक्ति 50 किलोग्राम होने का अनुमान है। इसी प्रकार अमेरिका में घरों में बर्बाद होने वाले खाद्य पदार्थ की मात्रा प्रति वर्ष प्रति व्यक्ति 59 किलोग्राम अथवा एक वर्ष में 19,359,951 टन है। चीन में यह मात्रा प्रति वर्ष प्रति व्यक्ति 64 किलोग्राम अथवा एक वर्ष में 91,646,213 टन है। UNEP की कार्यकारी निदेशक इंगर एडंरसन ने कहा कि अगर हमें जलवायु परिवर्तन, प्रकृति और जैव विविधता के क्षरण तथा प्रदूषण और बर्बादी जैसे संकटों से निपटने के लिए गंभीर होना है तो कारोबारों, सरकारों और दुनिया भर में लोगों को खाद्यान्न की बर्बादी को रोकने में अपनी भूमिका निभानी होगी।

संसद में विश्वास मत से पहले सहयोगियों से मिलेंगे इमरान खान

इस्लामाबाद,

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने नेशनल एसेंबली में विश्वास मत प्राप्त करने के पहले रणनीति तैयार करने की खातिर शुक्रवार को अपने सहयोगियों की बैठक बुलायी है। इससे पहले पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट (पीडीएम) के उम्मीदवार और पूर्व प्रधानमंत्री यूसुफ रजा गिलानी ने बुधवार को सत्तारूढ़ पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के उम्मीदवार अब्दुल हाफिज शेख को करीबी मुकाबले में सीनेट चुनाव में हरा दिया था। खान के लिए यह बड़ा झटका था जिन्होंने वित्त मंत्री अब्दुल हाफिज शेख के लिए निजी तौर पर प्रचार किया था। ऊपरी सदन के चुनाव में वित्त मंत्री की हार के बाद विपक्षी दलों ने खान के इस्तीफे की मांग की। खान ने पलटवार करते हुए नेशनल एसेंबली में शनिवार को विश्वास मत हासिल करने की घोषणा की। शेख पांच वोटों के अंतर से हार गए। राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने शनिवार को संसद का सत्र आहूत किया है जहां खान की पार्टी को अपने सहयोगी दलों की मदद के साथ बहुमत साबित करना होगा। खान के मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट पाकिस्तान (एमक्यूएम-पी), पाकिस्तान मुस्लिम लीग कायदे आजम (पीएमएल-क्यू) और ग्रैंड डेमोक्रेटिक एलायंस (जीडीए) के सांसदों के साथ विश्वास मत पर चर्चा करने की संभावना है। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री के बैठक में जीडीए के उम्मीदवार की हार से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करने की संभावना है। इसके साथ, वह एमक्यूएम-पी को कराची से संबंधित कुछ मुद्दों पर आश्वस्त करने का प्रयास करेंगे। खान को नेशनल एसेंबली में 171 सांसदों का समर्थन चाहिए क्योंकि सदन में कुल 342 सदस्यों में अभी 340 सदस्य हैं और दो सीटें खाली हैं। विज्ञान मंत्री फवाद चौधरी ने कहा कि खान आसानी से विश्वासमत हासिल कर लेंगे क्योंकि सीनेट के लिए पीटीआई की महिला उम्मीदवार फौजिया अरशद को बुधवार को 174 वोट मिले थे और वह जीत गयी थीं।

रोवर को मंगल की सतह पर उतारकर अमेरिका ने रचा इतिहास, बाइडेन ने की NASA की तारीफ

इंटरनेशनल डेस्क।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने मंगल अभियान के तहत ग्रह की सतह पर रोवर को सफलता पूर्वक उतारने के कार्य को अंजाम देने वाली नासा की टीम को बृहस्पतिवार को बधाई दी और कहा कि इसने देश के आत्मविश्वास को ऐसे वक्त में बढ़ाने काम किया है जब कोरोना वायरस महामारी के कारण विज्ञान के क्षेत्र में अग्रणी देश की छवि को नुकसान पहुंचा। नासा ने पिछले महीने छह पहियों वाले रोवर को सफलतापूर्वक मंगल की सतह पर उतारकर इतिहास रचा था। बाइडन ने अंतरिक्ष एजेंसी के जेट प्रणोदन प्रयोगशाला की टीम के नेतृत्व से वीडियो कांफ्रेंस के जरिए बातचीत की और च्पर्सेवियरेंस रोवर' के 18 फरवरी को मंगल की सतह पर उतरने की घटना पर खुशी जाहिर की। पर्सेवियरेंस नासा द्वारा भेजा गया सबसे बड़ा आधुनिक रोवर है और 1970 के दशक के बाद से मंगल की सतह पर सफलतापूर्वक उतरने वाला यह नौवां अंतरिक्ष यान है। ग्रह पर जीवन की संभावना तलाशने के अभियान के लिए इस यान ने करीब सात महीने में 30 करोड़ मील की दूरी तय की। बाइडन ने नासा की टीम को कहा, यह मंगल की सतह पर पर्सेवियरेंस के उतरने से भी कहीं अधिक बड़ा क्षण है। यह अमेरिकियों की इच्छा शक्ति के बारे में है और आपने इसे लौटाने का काम किया है। पिछले महीने पर्सेवियरेंस के मंगल की सतह पर उतरने की घटना को बाइडन ने टेलीविजन पर देखा था और नासा के कार्यवाहक प्रशासक स्टीव जुर्स्की को पर्सेवियरेंस से जुड़ी टीम को उनकी ओर से धन्यवाद देने को कहा था। बाइडन ने कहा कि वह टीम से व्यक्तिगत तौर पर सीधी बात करना चाहते थे जो इस श्रेय की हकदार थी। बाइडन ने कहा, हम मंगल पर रोवर भेज सकते हैं, हम महामारी को हरा सकते हैं। ऐसा कोई काम नहीं है जिसे विज्ञान, उम्मीद और दृष्टिकोण की मदद से एक देश के तौर पर हम कर नहीं सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

नेपाल के प्रधानमंत्री को अपनी ही पार्टी की ओर से अविश्वास प्रस्ताव का सामना करना होगा

काठमांडू। सत्तारूढ़ नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के प्रतिद्वंद्वी गुट के अध्यक्ष पुष्प कमल दहल उर्फ प्रचंड ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री के. पी. शर्मा ओली को चेतावनी देते हुए कहा कि या तो वह रविवार तक अपना पद छोड़ दें, नहीं तो संसद में अविश्वास प्रस्ताव का सामना करने के लिए तैयार रहें। प्रधानमंत्री ओली द्वारा 20 दिसंबर को सदन भंग करने और चुनाव कराए जाने की घोषणा के बाद, नेपाल की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी राजनीतिक रूप से दो गुटों में विभाजित हो गई थी। बाद में सुप्रीम कोर्ट ने 24 फरवरी को ओली के फैसले को पलट दिया और सरकार को उसके फैसले के 13 दिनों के भीतर सदन को बुलाने का निर्देश दिया। ओली और प्रचंड की अगुवाई वाले दो धड़े नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के लिए दावा ठोक रहे हैं और दोनों का कहना है कि उनके पास केंद्रीय समिति के साथ-साथ संसदीय दल में भी अधिकांश सदस्य हैं। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के दो गुटों के बीच अनबन तब और भी बढ़ गई, जब दोनों पक्षों के शीर्ष नेताओं को एक-दूसरे के गुटों से निकाल दिया गया। बाद में 24 जनवरी को प्रचंड गुट ने पार्टी के एक सामान्य सदस्य के रूप में ओली को बाहर कर दिया। प्रचंड गुट ने गुरुवार को संसद सचिवालय को पत्र लिखकर ओली को संसदीय दल के नेता के रूप में मान्यता नहीं देने का आग्रह किया। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के अनुसार, सरकार ने रविवार के लिए सदन का सत्र बुलाया है। प्रचंड के नेतृत्व वाले गुट की एक संसदीय दल की बैठक में शुक्रवार को ओली के इस्तीफे की मांग करने या अविश्वास प्रस्ताव का सामना करने का फैसला किया गया। प्रचंड ने बैठक के बाद इसकी जानकारी दी। प्रचंड ने कहा, अगर ओली ने पद से इस्तीफा नहीं दिया, तो आने वाले दिन उनके लिए मुश्किल होंगे। उन्होंने कहा कि जैसे ही सुप्रीम कोर्ट ने सदन को बहाल करने का फैसला किया, हमने उनके इस्तीफे की मांग की, लेकिन उन्होंने पद छोड़ने से इनकार कर दिया। आज, अधिकांश सांसदों ने संसदीय दल के नेता के रूप में मुझे चुना है। उन्होंने कहा, इसका मतलब है कि ओली पार्टी में अल्पमत में हैं। यदि वह इस्तीफा नहीं देते हैं, तो हम उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाएंगे। हम ओली के व्यवहार के कारण अविश्वास प्रस्ताव लाने के लिए मजबूर हैं। लेकिन प्रचंड खेमे के पास अविश्वास प्रस्ताव के जरिए ओली को बाहर निकालने के लिए जरूरी संख्या 173 नहीं है। गुट को नेपाली कांग्रेस जैसे अन्य दलों के समर्थन की जरूरत है, जो सदन में प्राथमिक विपक्ष है।

अमेरिका ने एलओसी के जरिए आतंकवादियों के घुसपैठ के प्रयासों की निंदा की

वाशिंगटन,

नियंत्रण रेखा के जरिए आतंकवादियों के घुसपैठ के प्रयासों की निंदा करते हुए अमेरिका ने सभी पक्षों से एलओसी पर तनाव घटाते हुए 2003 के संघर्ष विराम समझौते की प्रतिबद्धताओं का पालन करने की अपील की। भारत और पाकिस्तान के सैन्य अभियान महानिदेशकों (डीजीएमओ) के बीच 25 फरवरी को चर्चा के बाद एक संयुक्त बयान जारी किया गया था। दोनों देशों ने नियंत्रण रेखा और अन्य सभी क्षेत्रों में संघर्ष विराम सहमति तथा अन्य समझौतों का सख्ती से पालन करने पर सहमति जतायी थी। इसके बाद अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता का यह बयान आया है। भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम समझौते को लेकर एक सवाल पर विदेश विभाग के प्रवक्ता नेड प्राइस ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि क्षेत्र को लेकर अमेरिका की नीति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। उन्होंने कहा, ''हम जम्मू कश्मीर में घटनाक्रम पर करीबी नजर रख रहे हैं। क्षेत्र को लेकर हमारी नीति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। हम सभी पक्षों से नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर तनाव घटाने के लिए 2003 के संघर्ष विराम समझौते का पालन करने का आह्वान करते हैं।''

लताविया में भारी बर्फबारी के बाद जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। वहां की सेना और स्थानीय प्रशासन बर्फ को हटाने की कोशिश में लगा है।

इमरान खान ने खैरात और अल्लाह के भरोसे पाकिस्तान को छोड़ा, नहीं खरीदेगा Vaccine

इंटरनेशनल डेस्क।

पाकिस्तान की योजना निकट भविष्य में टीकों को खरीदने की नहीं है क्योंकि उसका उद्देश्य सामूहिक रोग प्रतिरोधक क्षमता (हर्ड इम्युनिटी) और चीन जैसे मित्र देशों से दान किए गये टीकों के जरिए कोविड-19 की चुनौती से निपटने का है। पाकिस्तान ने अभी तक चार टीकों, सिनोफाम (चीन), ऑक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका (ब्रिटेन), स्पूतनिक-वी (रूस) और कैनसिनो बायो (चीन) का पंजीकरण किया है। डॉन समाचार पत्र की एक खबर के अनुसार राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा (एनएचएस) के सचिव आमिर अशरफ ख्वाजा ने बृहस्पतिवार को लोक लेखा समिति (पीएसी) को बताया कि पाकिस्तान सरकार की जल्द से जल्द टीके खरीदने की कोई योजना नहीं है और उसका उद्देश्य कोविड-19 से हर्ड इम्युनिटी और दान किए गए टीकों के जरिये ही निपटने का है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान के कार्यकारी निदेशक मेजर जनरल आमिर आमेर इकराम के अनुसार चीन के टीके कैनसिनो की एक खुराक की कीमत 13 अमेरिकी डॉलर है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय दाताओं और चीन जैसे मित्र देशों पर भरोसा कर रहा है। एनएचएस के सचिव ने पीएसी को बताया कि दूसरे चरण में अस्पतालों और स्वास्थ्य केन्द्रों में काम करने वाले स्वास्थ्य अधिकारियों को शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 65 वर्ष या इससे अधिक आयु के लोग भी टीकाकरण के लिए अपना पंजीकरण करा सकते हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने इस साल सात करोड़ लोगों का टीकाकरण करने की योजना बनाई है। पीएसी के अध्यक्ष राणा तनवीर हुसैन के एक सवाल के जवाब में, एनएचएस के सचिव ने कहा कि पाकिस्तान को मार्च के मध्य तक सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया द्वारा बनाये गये एस्ट्राजेनेका टीके की पहली खेप मिलेगी और शेष के जून तक देश में आने की उम्मीद है। उनके अनुसार बुजुर्ग लोगों का टीकाकरण पांच मार्च तक शुरू होने वाला था, हालांकि खेप आने में देरी हुई। उन्होंने कहा कि एक अन्य चीनी कंपनी ने पाकिस्तान में कैनसिनो टीके के तीसरे चरण का परीक्षण किया था। उन्होंने कहा कि इसमें कुल 18 हजार लोगों को टीका लगाया गया और टीके के प्रभावी होने की दर 85 प्रतिशत रही। पाकिस्तान में पिछले 24 घंटे में कोविड-19 से 52 और लोगों की मौत हो गई जबकि मामलों की कुल संख्या बढ़कर 5,87,014 पर पहुंच गई। शुक्रवार को देश में इस महामारी से मृतकों की संख्या 13,128 हो गई। राष्ट्रीय कमान एवं अभियान केन्द्र (एनसीओसी) के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस से 1,579 लोग संक्रमित पाये गये हैं।

शोधकर्ताओं ने कोविड-19, फ्लू वायरस की पुनरावृत्ति रोकने के लिए नया उपचार विकसित किया

वाशिंगटन, शोधकर्ताओं ने एक नया उपचार विकसित किया है, जिसके जरिए शरीर में कोविड-19 और फ्लू जैसे वायरस को दोबारा पैदा होने से रोका जा सकता है। इस उपचार में दवा को एक नेबुलाइजर की मदद से फेफड़ों तक पहुंचाया जा सकता है और इसका उपयोग करना इतना आसान है कि मरीज इसे घर में खुद ही इस्तेमाल कर सकता है। शोधकर्ताओं ने कहा कि यह नया उपचार कोरोना वायरस के उस स्वरूप के खिलाफ भी प्रभावकारी जान पड़ता है जोकि बेहद तेजी से संक्रमण फैलाने में सक्षम है। इस उपचार के बारे में पत्रिका ''नेचर बायोटेक्नोलॉजी'' में विस्तार से बताया गया है जोकि सीआरआईएसपीआर तकनीक पर आधारित है। अमेरिका के जॉर्जिया प्रौद्योगिकी संस्थान और इमोरी विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने सीएएस13ए प्रोटीन के लिए कोड तय करने के वास्ते तकनीक का उपयोग किया जोकि आरएनए जेनेटिक कोड के भागों को समाप्त करता है। आरएनए जेनेटिक कोड की मदद से ही वायरस फेफड़ों की कोशिकाओं में प्रजनन करते हैं। शोधकर्ता फिलिप सेंटेनजेलो ने कहा, ''हमारी दवा में आपको केवल एक वायरस से दूसरे वायरस की ओर जाने का ही बदलाव करना होगा। हमें आरएनए के केवल एक अनुक्रम को बदलना होगा।'' उन्होंने कहा, ''हम फ्लू से सार्स-सीओवी-2 की तरफ गए, जोकि कोविड-19 बीमारी का कारण है। वे बिल्कुल अलग वायरस हैं। हम एक मार्ग को बदलकर बेहद तेजी से ऐसा करने में समर्थ हैं।''

म्यांमा, नेपाल, श्रीलंका और चीन की महिलाओं को मिलेगा अंतरराष्ट्रीय साहसी महिला पुरस्कार

वाशिंगटन, म्यांमा, नेपाल, श्रीलंका, चीन और कुछ अन्य देशों की महिलाओं को न्याय, लैंगिक समानता और महिला सशक्तीकरण की दिशा में अभूतपूर्व साहस और नेतृत्व क्षमता प्रदर्शित करने के लिए पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने यह जानकारी दी।वार्षिक अंतरराष्ट्रीय साहसी महिला (आईडब्ल्यूओसी) पुरस्कार दुनिया भर में महिलाओं के योगदान को चिन्हित करता है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को बताया कि अगले सप्ताह डिजिटल तरीके से आयोजित कार्यक्रम में यह पुरस्कार दिए जाएंगे। अमेरिका की प्रथम महिला जिल बाइडन इस अवसर पर महिलाओं को विशेष संदेश देंगी और विदेश मंत्री एंटोनी ब्लिंकन यह पुरस्कार प्रदान करेंगे। मंत्रालय ने बताया कि शांति, न्याय, मानवाधिकार, लैंगिक समानता और महिला सशक्तीकरण की हिमायत करने में अद्भुत साहस और नेतृत्व क्षमता प्रदर्शित करने वाली महिलाओं को यह पुरस्कार दिया जाता है। पुरस्कार प्राप्त करने वालों में म्यांमा की नेता फोई फोई उंग, मानवाधिकार कार्यकर्ता वांग यू, नेपाल की मुस्कान खातून, श्रीलंका की वकील रनिता गननराजा शामिल हैं। अन्य देशों की महिलाओं को भी आठ मार्च को पुरस्कार दिए जाएंगे।ब्लिंकन सात अफगान महिलाओं के एक समूह को भी आईडब्ल्यूओसी का मानद पुरस्कार देंगे। अफगानिस्तान की इन महिलाओं की 2020 में हत्या कर दी गयी थी।

विदेश मंत्रालय बोला- बाकी क्षेत्रों में चीनी सैनिकों की वापसी की उम्मीद

नई दिल्ली:

भारत ने पूर्वी लद्दाख गतिरोध के मुद्दे पर शुक्रवार को कहा कि हम उम्मीद करते हैं कि चीन राजनयिकों एवं सैन्य कमांडरों के बीच मौजूदा संवाद तंत्र के माध्यम से सैनिकों की वापसी सुनिश्चित करने के वास्ते पूर्वी लद्दाख में शेष इलाकों से सैनिकों को पीछे हटाने की प्रक्रिया पूरी करेगा ताकि दोनों पक्ष अपने बलों को पीछे हटा सके। यह बयान ऐसे समय में आया है जब दोनों देशों की सेनाओं ने पैंगोंग सो झील के उत्तरी और दक्षिणी किनारे पर सैनिकों को हटाने की प्रक्रिया हाल ही में पूरी की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्तव ने साप्ताहिक प्रेस वार्ता में कहा कि विदेश मंत्री एस जयशंकर की पिछले सप्ताह ही में चीनी विदेश मंत्री वांग यी से बातचीत की थी और हॉटलाइन स्थापित करने पर सहमति व्यक्त की थी। उन्होंने कहा, '' हमारी उम्मीद है कि चीनी पक्ष भारत-चीन सीमा मुद्दों पर विचार विमर्श एवं सहयोग तंत्र (डब्ल्यूएमसीसी) और वरिष्ठ कमांडर स्तर पर बैठकों में हमारे साथ काम करे ताकि शेष क्षेत्रों से सैनिकों के पीछे हटने की प्रक्रिया जल्द पूरी की जा सके। प्रवक्ता ने कहा, '' इससे दोनों पक्षों के लिये पूर्वी लद्दाख में अपने बलों को पीछे हटाना सुगम होगा क्योंकि इससे ही शांति बहाल हो सकेगी और हमारे द्विपक्षीय संबंधों की प्रगति के लिये माहौल बन सकेगा। ''गौरतलब है कि दोनों देशों की सेनाओं ने पूर्वी लद्दाख में कई महीने तक जारी गतिरोध के बाद उत्तरी और दक्षिणी पैंगोंग क्षेत्र से अपने अपने सैनिकों एवं हथियारों को पीछे हटा लिया था। हालांकि कुछ मुद्दे अभी बने हुए हैं। समझा जाता है कि बातचीत के दौरान भारत ने गोगरा, हाट स्प्रिंग, देपसांग जैसे क्षेत्रों से भी तेजी से पीछे हटने पर जोर दिया था। विदेश मंत्री एस जयशंकर और चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने पिछले सप्ताह करीब 75 मिनट तक टेलीफोन पर बात की थी। जयशंकर ने वांग से कहा था कि द्विपक्षीय संबंधों के विकास के लिये सीमा पर शांति एवं स्थिरता जरूरी है। दोनों नेताओं ने पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा और भारत चीन संबंधों के सम्पूर्ण आयामों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की । जयशंकर ने वांग से कहा था कि गतिरोध वाले सभी स्थानों से सैनिकों को हटाने की प्रक्रिया पूरी होने के बाद दोनों पक्ष क्षेत्र से सैनिकों की पूर्ण वापसी और अमन-चैन बहाली की दिशा में काम कर सकते हैं। बीस फरवरी को मोल्दो/ चुशूल सीमा पर चीनी हिस्से पर चीन-भारत कोर कमांडर स्तर की बैठक का 10वां दौर आयोजित किया गया था। रक्षा मंत्रालय के बयान के अनुसार, इसमें दोनों पक्षों ने पैंगोंग सो झील क्षेत्र में अग्रिम फौजों की वापसी का सकारात्मक मूल्यांकन किया था। सीमा पर शांति और स्थिरता को द्विपक्षीय संबंधों में प्रगति के लिए जरूरी बताते हुए भारत ने चीन से कहा था कि पूर्वी लद्दाख में सैनिकों की पूर्ण वापसी की योजना पर अमल के लिये यह जरूरी है कि टकराव वाले बाकी सभी इलाकों से सैनिकों को हटाया जाए। गौरतलब है कि भारत और चीन की सेनाओं के बीच पांच मई को सीमा पर गतिरोध शुरू हुआ था। दोनों देशों के बीच पैंगोंग झील वाले इलाके में हिंसक झड़प हुई और इसके बाद दोनों देशों ने कई स्थानों पर साजो-सामान के साथ हजारों सैनिकों की तैनाती कर दी। इसके बाद पिछले चार दशकों में सबसे बड़े टकराव में 15 जून को गलवान घाटी में झड़प में भारत के 20 सैन्यकर्मी शहीद हो गए। झड़प के आठ महीने बाद चीन ने स्वीकार किया कि झड़प में उसके चार सैन्यकर्मी मारे गए थे।

ब्रिटेन में तेजी से बढ़ सकते हैं संक्रमण के मामले

लंदन ।

ब्रिटेन में मिला कोरोनावायरस का स्वरूप पहले के वायरस की तुलना में ज्यादा संक्रामक है और इसके कारण फिर से कोविड-19 के तेजी से फैलने की आशंका है। एक नए अध्ययन में यह बताया गया है कि एक शोध पत्रिका में प्रकाशित अध्ययन में कहा गया है कि शैक्षणिक संस्थानों को बंद करने जैसे सख्त कदमों और टीकाकरण को बढ़ावा दिए बिना 2021 में इंग्लैंड में कोविड-19 के कारण अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों और मौतों की संख्या 2020 की तुलना में ज्यादा रहेगी1 अध्ययन दल में लंदन स्कूल ऑफ हाइजीन एंड ट्रोपिकल मेडिसीन के विशेषज्ञ भी थे। अध्ययन में कहा गया कि नया स्वरूप इंग्लैंड में मौजूद सार्स कोव2 के स्वरूप की तुलना में 43-90 गुणा तेजी से फैलता है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संयुक्त किसान मोर्चा आज दिल्ली के सभी प्रवेश मार्गों को करेगा जाम

गाजियाबाद। केंद्र सरकार के कृषि कानूनों के विरोध में किसानों का आंदोलन शुक्रवार के दिन भी जारी रहा। किसान करीब 100 दिन से अपनी मांगों को लेकर सिंघु बॉर्डर पर डटे हुए रहे।

किसानों का कहना है कि जब तक सरकार उनकी मांगे पूरी नहीं कर देती हैं तब तक आंदोलन जारी रहेगा। शुक्रवार को चंडीगढ़ के सेक्टर 35 के किसान भवन में संयुक्त किसान मोर्चा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए कहा कि छह मार्च को दिल्ली के सभी प्रवेश मार्ग को पांच घंटे के लिए जाम करेंगे। सुबह 11 बजे से लेकर 4 बजे तक दिल्ली में प्रवेश के सभी रास्तों को जाम किया जाएगा। हाईकोर्ट के वकील प्रेम सिंह भंगू की अध्यक्षता में आज ये प्रेस कांफ्रेंस आयोजित की गई थी। सभी ने कृषि कानून रद्द करने, गिरफ्तार किसानों को रिहा करने, झूठे मुकद्मे वापस लेने और न्यायिक जांच करने की मांग उठाई है।

जितने बीजेपी के सांसद हैं, उतने दिन यह आंदोलन चलेगाः टिकैत

वहीं किसान नेता राकेश टिकैत ने एक दावा करके भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की टेंशन बढ़ा दी है। टिकैत ने कहा कि इसी महीने आंदोलन के समर्थन में एक बीजेपी सांसद का इस्तीफा होगा, जितने बीजेपी के सांसद हैं, उतने दिन यह आंदोलन चलेगा।

बता दें कि इससे पहले मुजफ्फरनगर की मीरापुर विधानसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक अवतार सिंह भडाना ने तीन कृषि कानूनों पर केंद्र के रुख का विरोध करते हुए पार्टी से इस्तीफा दे दिया था।

बीजेपी के इस बड़े नेता ने किसानों के समर्थन में पहले ही दे दिया था इस्तीफा

भडाना का कहना था कि वो हमेशा किसानों के साथ खड़े रहे हैं और आगे भी रहेंगे। ऐसे में राकेश टिकैत के इस दावे से बीजेपी के कई बड़े नेताओं की नींद उड़ गई है। सूत्रों की मानें तो इसको लेकर पार्टी के अंदर बातचीत शुरू हो गई है। किसान आंदोलन को जल्द से जल्द खत्म करने के लिए नई रणनीति पर विचार विमर्श किया जा रहा है।

कृषि कानूनों के खिलाफ चल रहे किसानों के आंदोलन को और धार देने की तैयारी चल रही है। इसी क्रम में समर्थन जुटाने के लिए किसान नेता राकेश टिकैत इसी महीने पांच राज्यों का दौरा करेंगे।

भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) के एक पदाधिकारी ने इस बाबत कहा कि बीकेयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता और किसान आंदोलन का एक प्रमुख चेहरा टिकैत इसी महीने से राज्यों के दौरे की शुरुआत करेंगे।

बीकेयू के मीडिया प्रभारी धर्मेंद्र मलिक ने कहा कि मार्च में उत्तराखंड, राजस्थान, मध्य प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना में किसानों की बैठक की तैयारी चल रही है। यूपी में भी दो बैठकें होंगी। उन्होंने ने कहा कि राजस्थान में दो बैठकें और मध्य प्रदेश में तीन बैठकें होंगी। 20, 21 और 22 मार्च को अंतिम तीन बैठकें कर्नाटक में होंगी।

सीबीएसइ ने बदली बोर्ड परीक्षा की तारीख, 13 से 15 मई के बीच नहीं होगी परीक्षा

नई दिल्ली। सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंड्री एजुकेशन ने अपने 10वीं और 12वीं की परीक्षा की तारीखों में बदलाव किया है। इसके लिए बकायदा सीबीएसइ ने नोटिस जारी कर अपने बेवसाइट पर सूचना जारी की है। ताजा अपडेट के मुताबिक सीबीएसइ 13 मई से 15 मई के बीच परीक्षा नहीं होगी।

सीबीएसइ के मुताबिक 10वीं और 12वीं दोनों ही बोर्ड की परीक्षा में बदलाव किया गया है। सीबीएसइ की 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं 4 मई से 1 जून के बीच आयोजित की जाएंगी।

गढ़मुक्तेश्वर में हाइवे पर चलती कार में लगी आग, परिवार ने कूदकर बचाई जान

गढ़मुक्तेश्वर। गढ़ कोतवाली क्षेत्र में नेशनल हाइवे पर शुक्रवार की सुबह चलती कार में अचानक आग लग गई। कार में सवार परिवार के सदस्यों ने कूदकर अपनी जान बचाई। सूचना पर पहुंची अग्निशमन विभाग की टीम और लोगों ने मिलकर आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक कार जल चुकी थी।

हाइवे पर बदरखा गांव के पास हुआ हादसा

दिल्ली के कुतुब एनक्लेव निवासी प्रवीण कुमार सहित उनके परिवार के चार लोग शुक्रवार सुबह करीब सात बजे हल्द्वानी से कार में सवार होकर वापस घर लौट रहे थे। जब वह हाइवे पर गांव बदरखा के निकट पहुंचे तो अचानक उनकी कार में आग लग गई। जिस पर प्रवीण ने कार को सड़क किनारे रोक दिया और कार में सवार परिवार के लोगों ने कूदकर अपनी जान बचाई। वहीं, कार में आग लगने के बाद हाइवे एक तरफ वाहनों का आवागमन करीब आधा घंटे के लिए बंद हो गया।

हापुड़ के बाबूगढ़ में दो लोगों की मौत

वहीं, हापुड़ के बाबूगढ़ थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग-9 स्थित केंद्रीय विद्यालय के निकट अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो लोगों की मौत हो गई। मरने वालों की पहचान 22 वर्षीय मोहन पुत्र संजीव शर्मा और 27 वर्षीय रवि कुमार पुत्र कैलाश चंद के रूप में हुई। दोनों जनपद अमरोहा के थाना गजरौला के मोहल्ला शिवपुरी निवासी हैं। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस इस मामले में जांच कर रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक हादसा काफी दर्दनाक था। हादसे के बाद वहां कुछ देर के लिए अफरातफरी मच गई थी। मरने वालों के घर में शोक का वातावरण है। लोग सड़क पर सुरक्षा के साइन बोर्ड और अन्य उपकरण लगाने की बात कर रहे हैं ताकि इस तरह के और हादसों को तुरंत रोका जा सके।

दिल्ली की जेलों में कैदी कर रहे मोबाइल का इस्तेमाल

पश्चिमी दिल्ली। जेलों में बंद कैदी सलाखों के पीछे से भी वारदात को अंजाम देने से बाज नहीं आ रहे हैं। कैदी बाहर मौजूद अपने गुर्गो से जब चाहते हैं तब मोबाइल फोन से संपर्क करते हैं। बाहर मौजूद गुर्गे इनके एक इशारे पर वारदात कर दिल्ली पुलिस के लिए मुसीबत खड़ी कर रहे हैं। जेल प्रशासन कैदियों की करतूत रोक पाने में विफल साबित हो रहा है।

कैसे जेल में पहुंचता है मोबाइल

बाहर से टेनिस बाल को उछालकर उसमें मोबाइल व सिम कार्ड भरकर चारदीवारी के भीतर फेंक दिया जाता है। जेल के अंदर जिस सिम का इस्तेमाल किया जाता है उसका इंतजाम कैदी बाहर मौजूद अपने झपटमार साथियों से करवाते हैं। झपटमारी से हासिल मोबाइल से सिम कार्ड निकालकर इस नंबर का इस्तेमाल वाट्सएप इंस्टाल करने के लिए किया जाता है, ताकि सिम मालिक का पता भी चले तो कैदी का नाम सामने न आए। तकनीकी लाचारी का खूब फायदा उठाते हैं कैदी सबसे पहले जेल में 2जी नेटवर्क की क्षमता वाले जैमर लगाए गए थे।

बरामदगी का सिलसिला जारी

सुरक्षा से जुड़े तमाम उपायों के बावजूद जेल में मोबाइल की बरामदगी का सिलसिला नहीं थमता देख अब जेल प्रशासन को उस दिन का इंतजार है जब मोबाइल हाथ में होने के बावजूद कैदी केवल जैमर लगे होने के कारण मोबाइल का इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे। हाल ही में मंडोली जेल में बंद एक बदमाश ने एक कारोबारी को वीडियो काल किया और उससे रंगदारी मांगी। हालांकि इस मामले को उत्तरी पूर्वी जिला पुलिस ने सुलझा लिया है, लेकिन इस घटना ने जेल प्रशासन के सुरक्षा संबंधी दावे के खोखलेपन को बयां कर दिया।

अमूमन हर वर्ष दिल्ली की सभी जेलों से करीब 500 मोबाइल बरामद होते हैं। जेल में प्रवेश से पहले तलाशी कई जगहों पर की जाती है। अंतिम चरण में जेल में तैनात तमिलनाडु पुलिस के जवान तलाशी लेते हैं। इस दौरान जूते भी उतार लिए जाते हैं, लेकिन तलाशी की यह सख्त प्रक्रिया केवल कैदियों के लिए ही है। जेलकर्मियों के लिए यहां तलाशी की प्रक्रिया नाममात्र के लिए ही होती है।

लालू को लगा झटका: चारा घोटाला मामला फिर अटका, बढ़ी सजा की अवधि

नई दिल्ली। जमानत की आस में बैठे बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव को एक बड़ा झटका मिला है। बता दें कि दिल्ली के एम्स में भर्ती लालू यादव के पक्ष में दो अहम फैसले सामने आए है। खबर है कि लालू यादव के इलाज में चार हफ्ते और लगेंगे। लालू यादव के इलाज की अवधि बढ़ने के कारण उनकी सजा की भी अवधि बढ़ा दी गई है। साथ ही फोन कॉल की जांच प्रक्रिया में अधिकारियों की लापरवाही को देखते हुए उन पर कठोर कार्रवाई की मांग की गई है।

लालू यादव की क्या है हालत

बता दें कि बिहार के मुख्यमंत्री लालू यादव की हालत स्थिर है लेकिन यह बताया जा रहा है कि लालू यादव के शरीर के कुछ भाग काम नहीं कर रहा है। यही वजह है कि उनके इलाज की अवधि चार हफ्ते के लिए बढ़ा दी गई।

चार हफ्ते और बढ़ी सजा

वहीं जेल के सुपरिटेंडेंट हामिद अख्तर ने इस बारे में जानकारी दी है। उन्होंने बताया है,

'लालू यादव को एक महीने के लिए आईजी जेल के द्वारा इलाज के लिए दिल्ली एम्स भेजा गया था, लेकिन एम्स के डॉक्टरों की टीम ने लालू के इलाज के लिए 3 से 4 हफ्ते का और समय मांगा, जिसे जेल आईजी ने स्वीकार कर लिया। उनके बेहतर इलाज के लिए 4 हफ्ते का और सजा अवधि बढ़ाई गई है।'

फोन की जांच प्रक्रिया में अधिकारियों की दिखी लापरवाही

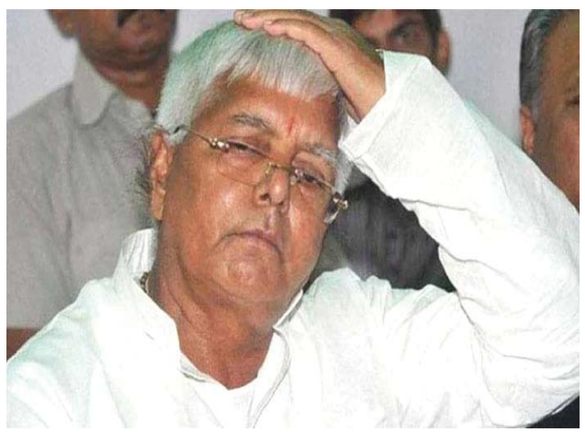

इसके अलावा लालू यादव के फोन की जांच प्रक्रिया में अधिकारियों की लापरवाही देखने को मिली है, जिसे लेकर उन पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। इस मामले को लेकर जेल आईजी और जिला प्रशासन ने जांच कराई थी। जांच के बाद जेल प्रशासन ने इसकी रिपोर्ट जिला प्रशासन को दे दी है।

हामिद अख्तर ने जानकारी देते हुए कहा, जांच रिपोर्ट में लालू की सुरक्षा में तैनात पुलिस कुछ पदाधिकारी और कुछ पुलिसकर्मी दोषी है। लालू यादव के द्वारा जिस वक्त कॉल किया गया, उस समय का मिलान ड्यूटी रोस्टर से किया जायेगा।

क्या कहती है रिपोर्ट

बताते चलें कि रिपोर्ट में बताया गया है, लालू की सुरक्षा में तैनात जवानों की लापरवाही से ही मोबाइल लालू तक पहुंचा है। कैली बंगले में लालू यादव की सुरक्षा में तैनात रांची पुलिस के जवानों को ठीक ढंग से तलाशी नहीं ली जाने के वजह से फोन के सेवादारों या अन्य लोगों के माध्यम से लालू तक मोबाइल संभवत पहुंचा है, जिससे लालू यादव ने अन्यत्र बात की होगी।

नहीं रुक रहा है पालीथिन का इस्तेमाल, छावनी परिषद को लक्ष्य पूरा करने में नहीं मिल रही सफलता

पश्चिमी दिल्ली। वर्ष 2022 तक दिल्ली छावनी परिषद को सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त बनाने के लक्ष्य की दिशा में फिलहाल कोई खास सफलता नहीं मिली है। चाहे सब्जी मंडी हो या खाद्य सामग्री व घरेलू सामान से जुड़ी अन्य दुकानें, रेहड़ी यानी हर जगह सिंगल यूज प्लास्टिक का धड़ल्ले से इस्तेमाल हो रहा है। सदर बाजार सब्जी मंडी में विक्रेताओं ने बताया कि लाकडाउन से पहले पालीथिन के प्रयोग पर दिल्ली छावनी परिषद ने काफी सख्ती दिखाई थी। कई विक्रेताओं के पांच-पांच हजार रुपये का चालान भी हुए थे और लोगों में भी धीरे-धीरे घरों से कपड़े व जूट का थैला लाने की आदत विकसित हो रही थी, पर अब पालीथिन के इस्तेमाल पर कोई मनाही नहीं है। विक्रेताओं का कहना है कि पालीथिन का कोई विकल्प नहीं है।

हालांकि 51 माइक्रोन की पालीथिन का प्रयोग कर सकते है, लेकिन उनका दाम अधिक होने के कारण सभी उसके प्रयोग से बचते है। जमीनी स्थिति छावनी परिषद के तमाम दावों का मखौल उड़ाती हुई नजर आती है। ज्ञात हो कि सब्जी मंडी में पालीथिन के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने के लिए छावनी परिषद ने घर-घर से पुराने कपड़े एकत्रित करने का अभियान शुरू किया था। मुख्य सड़कों पर पुराने कपड़े एकत्रित करने के लिए प्वाइंट भी विकसित किए थे। उन कपड़ों से थैले बनाकर सब्जी मंडी में खरीदारों को पांच व दस रुपये में उपलब्ध कराने की बात कहीं गई थी। कुछ एकाध दिन तो कपड़े के बैग मंडी में नजर आए, लेकिन अब ऐसा कुछ नहीं है।

हालांकि सिंगल यूज प्लास्टिक युक्त डिस्पोजल बर्तन जैसे गिलास, स्ट्रो (पाइप), प्लेट का प्रयोग काफी सीमित हो गया है, जो सराहनीय कदम है, पर कोरोना महामारी के कारण एक वर्ष से पालीथिन के प्रयोग पर रोकथाम के लिए छावनी परिषद की ओर से न कोई चालान या कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है और न ही दुकानदारों को जागरूक किया गया है। हालांकि अब जब मामले कम हो गए है, तब भी छावनी परिषद इस दिशा में कोई योजना नहीं बना रहा है।

दिल्ली हाई कोर्ट ने आई-बी मंत्रालय से पूछा- रिया चक्रवर्ती ड्रग केस विभिन्न चैनलों पर क्या कार्रवाई की?

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह की याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय से पूछा कि रिया चक्रवर्ती ड्रग के मामले में केबल टीवी नेटवर्क अधिनियम का उल्लंघन करने वाले विभिन्न चैनलों के खिलाफ क्या कार्रवाई की गई। न्यायमूर्ति प्रतिबा एम सिंह की पीठ ने मंत्रालय को इस बाबत स्थिति रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया है। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की तरफ से पेश हुए स्टैंडिंग काउंसल अजय दिगपाल ने पीठ को बताया कि चैनलों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की गई है और भविष्य के लिए इस संबंध में कई चैनलों को एडवाइजरी भेजी गई है। वहीं नेशनल ब्रॉडकास्टिंग स्टैंडिंग एसोसिएशन ने पीठ को बताया कि रकुल प्रीत की शिकायत का परीक्षण करने के बाद विभिन्न सदस्य चैनलों को कई आदेश जारी किए गए हैं। पीठ ने इस दौरान कहा कि अगर याचिकाकर्ता के पास चैनलों के लिंक है तो वह मंत्रालय को कार्रवाई करने के लिए उपलब्ध करा सकती है। पीठ ने मंत्रालय को निर्देश दिया कि चैनलों के खिलाफ की गई कार्रवाई के संबंध में आगामी छह सप्ताह के अंदर एक स्थिति रिपोर्ट दाखिल करें। अदालत ने उक्त

निर्देशों के साथ सुनवाई 20 मई तक के लिए स्थगित कर दी।

याचिकाकर्ता की तरफ से पेश हुए अधिवक्ता अमन हिंगोरमानी ने कहा कि मंत्रालय को गैर एनबीसीए सदस्यों के खिलाफ कार्रवाई करनी ही चाहिए और मीडिया चैनल द्वारा प्रसारित किए गए कुछ लिंक को हटाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि याचिकाकर्ता इससे जुड़े लिंक नहीं उपलब्ध करा सकती और मंत्रालय को अपने स्तर पर चैनल से यह जानकारी जुटाकर कार्रवाई चाहिए। रकुल प्रीत ने एक आवेदन दाखिल कर उनके खिलाफ मीडिया में इस मामले में जुड़ तथ्यों को प्रसारित करने पर रोक लगाने के संबंध में अंतरिम आदेश देने की मांग की थी।

रिया ने कहा था कि मीडिया उसका नाम ड्रग से जोड़ कर उछाल रहा है और उन्हें बदनाम किया जा रहा है। इसका असर उसके व्यावसायिक जीवन पर पड़ रहा है।

सुन पाने में असमर्थ बच्चों को कॉक्लियर इंप्लांट की सुविधा मुफ्त देगी दिल्ली सरकार

नई दिल्ली। दिल्ली में सत्तासीन आम आदमी पार्टी सरकार जन्म के बाद सुन पाने में असमर्थ जरूरतमंद नवजात बच्चों को कॉक्लियर इंप्लांट की सुविधा मुफ्त में उपलब्ध कराएगी। कॉक्लियर इंप्लांट को दिल्ली सरकार के आरोग्य कोष योजना के अंतर्गत शामिल किया जाएगा। इस बाबत दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा कि हमारी सरकार ने चाचा नेहरू बाल चिकत्सालय में जारी वर्ष में 100 बच्चों को इस तकनीक से लाभांवित करने का लक्ष्य रखा है। दरअसल, दिल्ली के स्वास्थय मंत्री सत्येंद्र जैन ने शुक्रवार को चाचा नेहरू बाल चिकित्सालय में कॉक्लियर इंप्लांट सुविधा का उद्घाटन किया। इस दौरान गीता कॉलोनी से आम आदमी पार्टी के विधायक एसके बग्गा के साथ अन्य आधिकारी मौजूद रहे।

इस मौके पर सत्येंद्र जैन ने कॉक्लियर इंप्लांट सुविधा का शुभारंभ करते हुए अस्पताल को बधाई दी और कहा कि दिल्ली सरकार जन्म के बाद सुनने में असमर्थ जरूरतमंद नवजात बच्चों को कॉक्लियर इंप्लांट की सुविधा मुफ्त उपलब्ध कराएगी। कॉक्लियर इंप्लांट को दिल्ली सरकार के आरोग्य कोष योजना के अंतर्गत शामिल किया जाएगा। सत्येंद्र जैन ने कहा कि अरविंद केजरीवाल सरकार ने चाचा नेहरू बाल चिकत्सालय में जारी वर्ष में 100 बच्चों को इस तकनीक से लाभांवित करने का लक्ष्य रखा है।

स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने उद्घाटन समारोह के दौरान कहा कि हर एक नवजात बच्चे का अस्पताल से छुट्टी होने से पहले उसकी सुनने की क्षमता की जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर 500 नवजात शिशुओं को भी इस योजना की जरूरत पड़ी, तो हम एक भी बच्चे को इस योजना से वंचित नहीं होने देंगे। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि चाचा नेहरू बाल चिकित्सालय में इसकी कार्य क्षमता को बढ़ाने के लिए अरविंद केजरीवाल सरकार लगातार काम कर रही है और आगे भी अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए समर्पित होकर काम करते रहने की जरूरत है,

ताकि दिल्ली वासियों को सरकार की तरफ से मिल रही तमाम तरह की स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सके। सरकार की तरफ से पूर्व से निशुल्क मिल रही तमाम स्वास्थ्य सेवाओं की तरह ही दिल्ली आरोग्य कोष के अंतर्गत कॉक्लियर इंप्लांट की सुविधा भी निःशुल्क मिलेगी।

मृत युवक की एक्स-रे व पोस्टमार्टम रिपोर्ट पेश करे उप्र सरकार : हाई कोर्ट

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस पर ट्रैक्टर पलटने से हुई नवरीत सिंह की मौत के मामले में दिल्ली हाई कोर्ट ने उत्तर प्रदेश पुलिस को नवरीत की एक्स-रे व पोस्टमार्टम रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति योगेश खन्ना की पीठ ने उत्तर प्रदेश पुलिस को निर्देश दिया कि दोनों ही दस्तावेज पांच मार्च को दोपहर दो बजे तक दिल्ली पुलिस अधिकारियों को दें और मामले के जांच अधिकारी से अपनी सुरक्षित कस्टडी में रखें।

नवरीत के दादा हरदीप सिंह ने याचिका दायर कर दावा किया कि उनके पोते की मौत सिर में गोली लगने से हुई थी और उसका पोस्टमार्टम

रामपुर जिला अस्पताल में किया गया था। सुनवाई के दौरान दिल्ली सरकार की तरफ से पेश हुए स्थायी अधिवक्ता राहुल मेहरा ने उत्तर प्रदेश पुलिस से

> **गणतंत्र दिवस पर ट्रैक्टर पलटने से हुई नवरीत सिंह की मौत के मामले में दिल्ली हाई कोर्ट ने उत्तर प्रदेश पुलिस को नवरीत की एक्स-रे व पोस्टमार्टम रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति योगेश खन्ना की पीठ ने उत्तर प्रदेश पुलिस को निर्देश दिया कि दोनों ही दस्तावेज पांच मार्च को दोपहर दो बजे तक दिल्ली पुलिस अधिकारियों को दें और मामले के जांच अधिकारी से अपनी सुरक्षित कस्टडी में रखें।**

एक्स-रे और पोस्टमार्टम वीडियो उपलब्ध कराने का अनुरोध किया था, लेकिन रामपुर जिला अस्पताल और पुलिस ने इन्कार कर दिया था। पीठ ने उक्त निर्देशों के साथ याचिका पर सुनवाई 17 मार्च तक के लिए स्थगित कर दी।उत्तर प्रदेश पुलिस व रामपुर जिला अस्पताल की तरफ से पेश हुई अधिवक्ता गरिमा प्रसाद ने कहा कि उनके पास एक्स-रे रिपोर्ट नहीं है, उनके पास सिर्फ एक्स-रे प्लेट है। उन्होंने कहा कि जहां तक पोस्टमार्टम रिपोर्ट का सवाल है वे अदालत द्वारा निर्धारित दिन व समय पर दिल्ली पुलिस को उपलब्ध कराने के लिए तैयार हैं। याचिकाकर्ता की तरफ से पेश हुई अधिवक्ता वृंदा ग्रोवर ने एक्स-रे व पोस्टमार्टम रिपोर्ट उपलब्ध कराने की मांग की।

इस पर राहुल मेहरा ने कहा कि उन्हें दस्तावेज याचिकाकर्ता को उपलब्ध कराने में आपत्ति नहीं है।वहीं, पिछली सुनवाई पर उत्तर प्रदेश पुलिस व दिल्ली पुलिस ने अदालत में कहा था कि 25 वर्षीय नवरीत के शरीर पर गोली के घाव नहीं थे। पोस्टमार्टम और एक्स-रे रिपोर्ट के अनुसार भी मृतक के शरीर पर गोली के घाव नहीं मिले हैं। दिल्ली पुलिस ने कहा कि नवरीत के शरीर पर निशान दुर्घटना के कारण आए थे। वहीं, याचिकाकर्ता हरदीप ने कोर्ट की निगरानी में विशेष जांच दल गठित कर मामले की जांच कराने की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया है कि गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद पुलिस ने नवरीत को तत्काल चिकित्सा सुविधा नहीं उपलब्ध कराई। इतना ही नहीं, नवरीत का शव अन्य लोगों ने उसके स्वजन को सौंपा था, जो उसे लेकर उत्तर प्रदेश के रामपुर गए थे। नवरीत का पोस्टमार्टम भी घटना के अगले दिन रामपुर में किया गया, लेकिन वीडियो और एक्स-रे रिपोर्ट परिवार से नहीं साझा की गई।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)